vkj- ,u- vkb- u- UPHIN/2010/32566 Mkd- iath;u- l[;k& SSP/LW/NP-311

अद्भुत समाचार

निष्पक्ष एवं निर्भीक हिन्दी साप्ताहिक

हर ख़बर पर पैनी नज़र

o"kZ % 14 vad % 41 y[kuÅ] c)okj 14 Qjojh 2024 ls 20 Qjojh 2024 rd i"B&8 eY; % ,d :i;k

सुप्रीम कोर्ट ने मुख्य चुनाव आयुक्त और चुनाव आयुक्तों की नियुक्ति से जुड़े नए कानून पर रोक लगाने से किया इनकार

नयी दिल्ली। सुप्रीम कोर्ट में एक जनहित याचिका (पीआईएल) में मुख्य चुनाव आयुक्त (सीईसी) और अन्य चुनाव आयुक्तों की नियुक्ति के लिए एक तटस्थ और स्वतंत्र चयन समिति का गठन करते हुए चयन की एक स्वतंत्र और पारदर्शी प्रणाली लागू करने के लिए भारत संघ को निर्देश देने की मांग की गई। जनहित याचिका में सीईसी और ईसी की नियुक्ति के लिए २८ दिसंबर, २०२३ की सरकारी अधिसूचना को रद्द करने का निर्देश देने की भी मांग की गई। अदालत ने सीजेआई को छोड़कर पैनल द्वारा सीईसी और ईसी की नियुक्ति पर नए कानून के संचालन पर रोक लगाने से भी इनकार कर दिया है। शीर्ष अदालत ने संभावित

कार्यकारी प्रभुत्व और लोकतंत्र पर इसके प्रभाव पर चिंताओं का हवाला देते हुए नए कानून को चुनौती देने वाली जनहित याचिका को स्वीकार कर लिया था। वर्तमान में कानून मंत्री प्रधानमंत्री के सामने उम्मीदवारों की लिस्टिंग विचार के लिए की जाएगी। राष्ट्रपति यह नियुक्ति प्रधानमंत्री की सलाह पर करते हैं। विधेयक के अनुसार, कैबिनेट सचिव की अध्यक्षता वाली एक सर्च कमेटी जिसमें चुनाव से संबंधित मामलों में ज्ञान और अनुभव रखने वाले सरकार के सचिव के पद से नीचे के दो अन्य सदस्य शामिल होंगे, पांच व्यक्तियों का एक पैनल तैयार करेगी जिन पर विचार किया जा सकता है। फिर, विधेयक के अनुसार, प्रधानमंत्री, लोकसभा में विपक्ष के नेता और प्रधानमंत्री द्वारा नामित एक केंद्रीय कैबिनेट मंत्री की एक चयन समिति सीईसी और अन्य ईसी की नियुक्ति करेगी।

69000 भर्ती शिक्षकों ने शिक्षामंत्री संदीप सिंह के आवास का किया घेराव

लखनऊ। ६९००० शिक्षक भर्ती के तहत चयनित ६८०० आरक्षित वर्ग के शिक्षक अभ्यर्थियों ने नियुक्ति की मांग को लेकर मंगलवार को शिक्षामंत्री संदीप सिंह के आवास का घेराव किया। इस दौरान अभ्यर्थियों ने जोरदार नारेबाजी भी की। मंत्री के आवास पर भारी पुलिस बल तैनात रहा। प्रदर्शन कर रहे, अभ्यर्थियों ने नारेबाजी करते हुए कहा कि शिक्षा मंत्री बाहर आओ पिछड़ों की हालत देखकर जाओ। दरअसल, लखनऊ हाई कोर्ट के डबल बेंच में ६९००० शिक्षक भर्ती संबंधित मामले की सुनवाई चल रही है। अभ्यर्थियों का कहना है कि शिक्षा मंत्री ने मीटिंग में जो वादे किए थे उसके मुताबिक सरकार के वकील कोर्ट में पक्ष नहीं रख रहे हैं बल्कि आरक्षित वर्ग के अभ्यर्थियों का विरोध कर रहे हैं। इसी बात से नाराज अभ्यर्थी शिक्षा मंत्री आवास का घेराव करने पहुंचे थे। आंदोलन का नेतृत्व कर

रहे अमरेंद्र पटेल ने कहा की ६९००० शिक्षक भर्ती में आरक्षण लागू करने में घोर अनियमितता बरती गई। जिस कारण आरक्षित वर्ग के अभ्यर्थियों को नौकरी से वंचित कर दिया गया। इस संबंध में कई बार आंदोलन के बाद प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने मामले का संज्ञान लिया और विसंगति दूर करते हुए पीड़ित आरक्षित वर्ग के अभ्यर्थियों को नियुक्ति दिए जाने का आदेश अधिकारियों को दिया था, जिसके आधार पर बेसिक शिक्षा विभाग के अधिकारियों ने विसंगति को सुधारने के बाद ६८०० दलित पिछड़े वर्ग के अभ्यर्थियों को नियुक्ति देने का वादा करते हुए एक सूची जारी की, लेकिन अभी तक न्याय नहीं मिल सका। हमारी मांग है कि सरकार इस मामले का त्वरित समाधान निकाले और सभी ६८०० चयनित पिछड़े वर्ग के अभ्यर्थियों का हक अधिकार देते हुए उनकी नियुक्ति करें।

छात्रा से छेड़खानी कर धारदार हथियार से किया सिर पर वार

लखनऊ। पारा थानाक्षेत्र अन्तर्गत मायापुरम की एक कालोनी में घर के बाहर खड़ी छात्रा से मनचलों ने छेड़खानी की। विरोध करने पर मनचलों ने धारदार हथियार से उसके सिर पर वार कर दिया। इसके बाद आरोपी छात्रा को धमकी देते हुए घटनास्थल से भाग निकले। हालांकि, देर रात पुलिस ने मनचलों के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज कर उनकी तलाश शुरू कर दी है। पारा प्रभारी निरीक्षक बृजेश वर्मा के मुताबिक, क्षेत्र की रहने वाली युवती (२५) बीए में पढ़ती है। सोमवार शाम वह घर के दरवाजे पर खड़ी थी। आरोप है कि उसे अकेला खड़ा देख आदर्श अपने कुछ साथियों को साथ उसके पास पहुंचा और उस अश्लील फब्तियां कसते हुए छेड़खानी करने लगा। छात्रा के विरोध करने पर आरोपी अपशब्द कहने लगा। जब तक वह कुछ भांप पाती तब तक शोहदों ने उसके सिर पर धारदार हथियार से वार कर दिया। आरोप है कि चीख–पुकार सुनकर परिजन बचाने पहुंचे तब आरोपियों ने उनसे भी मारपीट की। हालांकि, पड़ोसियों की अपनी तरह आता देख शोहदे धमकी देते हुए घटनास्थल से भाग खड़े हुए। प्रभारी निरीक्षक ने बताया कि छात्रा को मेडिकल कराया गया है। मेडिकल रिपोर्ट और तहरीर के आधार पर आरोपियों पर संसुगत धाराओं में एफआईआर दर्ज की गई है।

'किसानों पर गोलों की बौछार, ये कैसा अमृतकाल : अखिलेश यादव

लखनऊ। समाजवादी पार्टी प्रमुख अखिलेश यादव ने किसान आंदोलन को लेकर भाजपा सरकार पर निशाना साधा है। उन्होंने कहा कि किसानों के मार्च को रोकने के लिए आंसूगैस का इस्तेमाल, और (सीमाओं पर) कीलें और बैरिकेड्स लगाना, सब कुछ किया जा रहा है। (केंद्र) सरकार किसानों की आवाज दबाना चाहती है। ये (केंद्र) के वही लोग हैं जिन्होंने किसानों की आय दोगुनी करने, फसल दर और एमएसपी लागू करने का वादा किया था। इससे अलावा उन्होंने अपने एक्स पोस्ट में कहा कि भाजपा राज में ये है भला कैसा अमृतकाल। किसानों पर आँसू गैस के गोलों की बौछार। धिक्कार! धिक्कार!! धिक्कार! पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने हरियाणा में प्रदर्शनकारी किसानों पर आंसू गैस के गोले दागने की निंदा करते हुए इसे कृषकों पर 'भाजपा का बर्बर हमला' करार दिया। बनर्जी ने सोशल मीडिया मंच 'एक्स' पर कहा,"जब अपने मौलिक अधिकारों के लिए लड़ने पर किसानों पर आंसू गैस के गोलों से हमला किया जाएगा तो हमारा देश कैसे तरक्की कर सकता है? मैं भाजपा द्वारा हमारे किसानों पर बर्बर हमले की कड़ी निंदा करती हूं।" उन्होंने कहा, "उनके विरोध को दबाने के बजाय, भाजपा को अपने बढ़े हुए अहंकार, सत्ता की भूख की महत्वाकांक्षाओं और निष्प्रभावी शासन को कम करने पर ध्यान केंद्रित करना चाहिए जिसने हमारे देश को नुकसान पहुंचाया है।" किसानों के 'दिल्ली चलो' विरोध मार्च में शामिल युवाओं के एक समूह ने

मंगलवार को अंबाला में शंभू बॉर्डर पर लगाए गए बैरिकेड को तोड़ने की कोशिश की, जिसके बाद भीड़ को तितर–बितर करने के लिए हरियाणा पुलिस ने आंसू गैस के गोले छोड़े। कुछ किसानों ने ट्रैक्टर की मदद से सीमेंट के अवरोधक हटाने का प्रयास किया। अधिकारियों ने कहा कि हरियाणा पुलिस द्वारा बैरिकेड से दूर रहने की अपील के बावजूद, कई युवा पीछे नहीं हटे और बैरिकेड के ऊपर खड़े रहे। उन्होंने बताया कि जब कुछ प्रदर्शनकारियों ने लोहे का बैरिकेड तोड़ दिया और उसे घग्गर नदी के पुल से नीचे फेंकने की कोशिश की, तो पुलिस ने आंसू गैस के कई गोले छोड़े।

दिल्ली का लाल किला पर्यटकों के लिए अस्थायी रूप से किया गया बंद

नयी दिल्ली। किसानों के प्रदर्शन के मद्देनजर भारी संख्या में पुलिस और अर्द्धसैन्य बलों की तैनाती के बीच भारतीय पुरातत्व सर्वेक्षण (एएसआई) के एक वरिष्ठ अधिकारी ने मंगलवार को कहा कि ऐतिहासिक लाल किला परिसर को सुरक्षा कारणों से पर्यटकों के लिए अस्थायी रूप से बंद कर दिया गया है। उन्होंने बताया कि पुरानी दिल्ली में स्थित मुगल काल के इस विश्व धरोहर स्थल को ''सुरक्षा कारणों'' से सोमवार देर रात को ''अचानक सील'' कर दिया गया। गत देर रात से ही वहां भारी संख्या में सुरक्षा कर्मी तैनात हैं। एएसआई अधिकारी ने बताया, ''लाल किला परिसर को पर्यटकों के लिए बंद कर दिया गया है।'' यह पूछे जाने पर कि १७वीं सदी का यह स्मारक कब खुलेगा, इस पर वरिष्ठ अधिकारी ने कहा, ''इसका निर्णय सुरक्षा एजेंसियां लेंगी।'' किसान नेताओं

और केंद्र के बीच बातचीत के बेनतीजा रहने के बाद मंगलवार को किसानों के 'दिल्ली चलो' मार्च को राष्ट्रीय राजधानी में प्रवेश करने से रोकने के लिए दिल्ली की सीमाओं पर बहुस्तरीय अवरोधक, कंक्रीट के अवरोधक, लोहे की कीलों और कंटेनर की दीवारें लगाकर सुरक्षा के कड़े इंतजाम किए गए हैं।

सम्पादकीय

किसान संगठन दिल्ली की ओर

एमएसपी कानून समेत करीब १२ सूत्रीय मांगों को लिए किसान संगठन दिल्ली की ओर कूच कर चुके हैं। दिल्ली चलो नारे के साथ हजारों किसान ने संसद घेराव का ऐलान किया है। कई जगह भीषण जाम लग चुका है। सुप्रीम कोर्ट में भी इस मुद्दो को उठाया गया। बॉर एसोसिएशन की तरफ से सुप्रीम कोर्ट को चिट्ठी लिखी गई थी। जिसका संज्ञान चीफ जस्टिस ऑफ इंडिया ने लिया है। सीजेआई चंद्रचूड़ ने कहा कि जाम में फंसे हो तो मुझे बताएं। कई वकीलों के केस कोर्ट में लगे हुए हैं। जाम के चलते कई वकील सुप्रीम कोर्ट नहीं पहुंच पाएं। किसान आंदोलन के मद्देनजर परेशानी का जिक्र सुप्रीम कोर्ट बार एसोसिएशन की ओर से किया गया। दिल्ली कूच के मार्च के बाद कई किलोमीटर तक रेंगता हुआ ट्रैफिक देखने को मिल रहा है। सुप्रीम कोर्ट बार एसोसिएशन के अध्यक्ष डॉ आदिश सी अग्रवाल ने मंगलवार को दिल्ली की ओर मार्च कर रहे प्रदर्शनकारी किसानों के खिलाफ स्वतः संज्ञान लेते हुए कार्रवाई करने के लिए भारत के मुख्य न्यायाधीश डीवाई चंद्रचूड़ को पत्र लिखा है। अग्रवाल ने कहा कि नाकेबंदी के कारण यह संभावना है कि सुप्रीम कोर्ट, दिल्ली उच्च न्यायालय, विभिन्न आयोगों, न्यायाधिकरणों और जिला अदालतों के वकीलों को अदालती कार्यवाही में भाग लेने में बड़ी चुनौतियों का सामना करना पड़ सकता है। उन्होंने सीजेआई से आग्रह किया कि जब तक दिल्ली की सीमाओं पर जनता की मुक्त आवाजाही के लिए बाधाएं दूर नहीं हो जातीं, तब तक 'किसी भी मामले में गैर–उपस्थिति के कारण प्रतिकूल आदेश' पारित न करें। दिल्ली और हरियाणा पुलिस ने धारा १४४ लागू कर दी है और किसानों के प्रदर्शन को रोकने के लिए सीमाओं को कंक्रीट ब्लॉकों, कंटीले तारों आदि से मजबूत कर दिया है। प्रदर्शनकारी किसानों को तितर–बितर करने के लिए पुलिस ने हरियाणा–पंजाब शंभू सीमा पर आंसू गैस ड्रोन का इस्तेमाल किया। केंद्रीय मंत्री अर्जुन मुंडा ने कहा कि सरकार को जो जानकारी मिल रही है उसमें बहुत सारे ऐसे लोग जो इसमें कोशिश करेंगे कि इस तरह की स्थिति बने जिससे वातावरण प्रदूषित हो। मैं किसान भाइयों से कहूंगा कि इन चीजों से वे बचें। भारत सरकार किसानों के हितों को लेकर प्रतिबद्ध है। अधिकांश बातों पर हम बात करने के लिए तैयार हैं। उसके कई विकल्प वे भी दे सकते हैं हम भी विकल्प दे सकते हैं, एक विकल्प पर आकर हम एक समाधान ढूंढ सकते हैं।

रेप और गर्भपात कराने के आरोपी एएसपी राहुल श्रीवास्तव सस्पेंड

लखनऊ। उत्तर प्रदेश पुलिस के मीडिया प्रभारी और एटीएस में तैनात एएसपी राहुल श्रीवास्तव को पूर्व डीजीपी विजय कुमार की संस्तुति पर शासन की तरफ से सस्पेंड कर दिया गया है। ये कार्रवाई एएसपी पर रेप और अब र्शन का मुकदमा दर्ज होने के बाद पूर्व डीजीपी विजय कुमार की सिफारिश पर शासन ने की हैं। बता दें कि राहुल श्रीवास्तव पर एक युवती ने रेप व अब र्शन कराने का लगाया था आरोप, युवती ने सीएम योगी आदित्यनाथ व डीजीपी से की थी शिकायत, जिसके बाद गोमती नगर विस्तार थाने में राहुल के खिलाफ एफआईआर दर्ज हो सकी थी। युवती ने आरोप लगाया था कि सिविल सर्विसेज परीक्षा की तैयारी करवाने के नाम पर राहुल ने उसको होटल में बुलाया। नशीला पदार्थ खिलाकर उसके के साथ दुष्कर्म किया। अश्लील फोटो क्लिक किए। जिसके जरिये ब्लैकमेल कर कई बार दुष्कर्म किया। अप्रैल २०२३ में जब वह गर्भवती हुई तो जबरन गर्भपात करवा दिया। एफआईआर दर्ज होने के बाद निलंबन की कार्रवाई न होने पर पीड़िता ने सवाल उठाए थे। अंदेशा जताया था कि राहुल केस की विवेचना प्रभावित कर सकते हैं। शासन ने इसका संज्ञान लेते हुए अब राहुल को निलंबित कर दिया है। उनके खिलाफ विभागीय जांच के भी आदेश दिए गए हैं। उन पर और शिकंजा कसना तय है।

रोजगार सृजन पर योगी सरकार का फोकस

लखनऊ। उत्तर प्रदेश के समेकित विकास का खाका खींच रही योगी सरकार निवेश, औद्योगिक परिवेश में विस्तार और रोजगार सृजन जैसे विषयों पर सबसे ज्यादा फोकस कर रही है। उल्लेखनीय है कि १६ से २१ फरवरी के मध्य लखनऊ के इंदिरा गांधी प्रतिष्ठान में ग्राउंड ब्रेकिंग सेरेमनी ४.० (जीबीसी) का आयोजन किया जा रहा है। इसके जरिए प्रदेश में ४० लाख करोड़ रुपए के प्राप्त निवेश प्रस्तावों में से एक वर्ष की अवधि के भीतर ही १० लाख करोड़ रुपए के निवेश प्रस्तावों को धरातल पर उतारा जाएगा। ऐसे में, जीबीसी के जरिए प्रदेश में ३३.५० लाख रोजगार के नए अवसरों का सृजन होगा। सीएम योगी के इस विजन को देश के दिग्गज इंडस्ट्रीलिस्ट्स का भी भरपूर समर्थन मिल रहा है। इसी क्रम में, भारत के अग्रणी सीमेंट निर्माताओं में शुमार जेके सीमेंट लिमिटेड ने भी अपनी प्रतिबद्धता स्पष्ट की है। इस क्रम में जेके सीमेंट लिमिटेड के उप प्रबंध निदेशक व सीईओ माधवकृष्ण सिंघानिया ने यूपी में कंपनी के विकास के लिए दीर्घकालिक रोड मैप तैयार करने और उत्तर प्रदेश में रोजगार सृजन के अवसरों को रेखांकित करने के उद्देश्य से ग्राउंड–ब्रेकिंग समारोह– ४.० में भाग लेंगे। माधवकृष्ण सिंघानिया ने अपने विचार व्यक्त करते हुए कहा कि एक सामाजिक रूप से जिम्मेदार संगठन के रूप में, हम किसी राज्य के भीतर आर्थिक विकास को बढ़ावा देने और सामाजिक कल्याण को बढ़ावा देने में व्यवसायों द्वारा निभाई जाने वाली महत्वपूर्ण भूमिका को स्वीकार करते हैं। इस सिद्धांत से प्रेरित होकर, हमने स्थायी रोजगार के अवसर पैदा करने और स्थानीय कार्यबल को सशक्त बनाने के उद्देश्य से कई पहल शुरू की हैं। उन्होंने कहा कि हमारा जुड़ाव व्यावसायिक परिचालन के अतिरिक्त शिक्षा, स्वास्थ्य देखभाल और पर्यावरणीय स्थिरता की दिशा में भी सक्रिय प्रतिभाग से संबंधित है। उन्होंने कहा कि उत्तर प्रदेश, अपने गतिशीलयावसायिक पारिस्थितिकी तंत्र, प्रचुर संसाधनों और कुशल कार्यबल के साथ, हमारे भविष्य के प्रयासों के लिए एक पसंदीदा गंतव्य के रूप में खड़ा है। जैसे–जैसे हम सशक्तिकरण के इस पथ पर आगे बढ़ रहे हैं, उत्तर प्रदेश के लोगों के जीवन में ठोस सुधार लाने के लिए

हमारी प्रतिबद्धता अटूट बनी हुई है। साथ मिलकर, हम सभी के लिए अनंत संभावनाओं से भरे एक उज्जवल भविष्य का निर्माण कर सकते हैं। माधवकृष्ण सिंघानिया ने कहा कि जेके सीमेंट का दृढ़ विश्वास है कि प्रगति बहुआयामी है। जैसे–जैसे भारत मजबूत आर्थिक विकास को बनाए रखने के लिए अपने बुनियादी ढांचे के विकास में तेजी ला रहा है, जेके सीमेंट सबसे आगे बना हुआ है, बुनियादी ढांचे, आवास और निर्माण क्षेत्रों से उत्पन्न होने वाली बढ़ती मांगों को पूरा करने के लिए अपनी क्षमताओं को गतिशील रूप से बढ़ा रहा है। कंपनी का रणनीतिक क्षमता विस्तार इसे प्रमुख बाजारों में विविध ग्राहक आधार की उभरती जरूरतों को पूरा करने के लिए तैयार करता है। उत्तर प्रदेश में प्रयागराज संयंत्र की स्थापना के साथ, हम रोजगार के विविध अवसरों के निर्माण को पूरा करने और उत्तर प्रदेश राज्य के आर्थिक परि श्य को ऊपर उठाने के लिए तैयार हैं। उल्लेखनीय है कि कंपनी ने हाल ही में लगभग ५०० करोड़ रुपये के ठोस निवेश के साथ, प्रयागराज में अपनी तीसरी ग्रे सीमेंट ग्राइंडिंग यूनिट के उद्घाटन के साथ एक मील का पत्थर स्थापित किया है। यह नई सुविधा २.०० मिलियन टन प्रति वर्ष (एमटीपीए) की प्रभावशाली कुल उत्पादन क्षमता का दावा करती है, जो जिम्मेदार विस्तार और नवाचार के लिए कंपनी की अटूट प्रतिबद्धता का उदाहरण है। ३०० करोड़ रुपये के शुरुआती निवेश से अलीगढ़ संयंत्र के लिए, हमीरपुर संयंत्र के लिए ४०० करोड़ रुपये, और अब ५०० करोड़ रुपये की लागत के साथ प्रयागराज इकाई के लिए नवीनतम निवेश में परिवर्तित हो रहा है। जेके सीमेंट लिमिटेड ने कानपुर में एक सुपर स्पेशलिटी हॉस्पिटल श्यदुपति सिंघानिया मेमोरियल सुपर– स्पेशलिटी हॉस्पिटल' स्थापित करने के क्षेत्र में सहयोग करने के लिए आईआईटी कानपुर के साथ एक समझौता ज्ञापन पर भी हस्ताक्षर किए थे और ३५० करोड़ रुपये के निवेश के साथ कानपुर में एक मल्टी स्पेशलिटी ह स्पिटल स्थापित करने का अवसर भी तलाश रहा है। इसके अतिरिक्त, कंपनी ने स्वास्थ्य और सुरक्षा मानकों के प्रति अपनी प्रतिबद्धता की पुष्टि करते हुए उत्तर प्रदेश में ष्यदुपति सिंघानिया सेंटर फ र सेफ्टी ट्रेनिंग' की स्थापना की है। यह अत्याधुनिक सुविधा औद्योगिक श्रमिकों और पर्यवेक्षकों को व्यापक प्रशिक्षण प्रदान करने, उन्हें सुरक्षित और सतर्क कार्य वातावरण बनाए रखने के लिए आवश्यक ज्ञान और कौशल के साथ सशक्त बनाने के लिए समर्पित है। शिक्षा और प्रशिक्षण में निवेश के माध्यम से, जेके सीमेंट न केवल रोजगार क्षमता बढ़ाने का प्रयास कर रहा है बल्कि क्षेत्र की समग्र सामाजिक आर्थिक उन्नति को बढ़ावा देने की दिशा में भी प्रयास कर रहा है।

एसटीएफ ने हलाल काउंसिल ऑफ इंडिया के अध्यक्ष समेत चार सदस्यों को किया गिरफ्तार

लखनऊ। यूपी एसटीएफ ने हलाल काउंसिल ऑफ इंडिया के अध्यक्ष समेत चार सदस्यों को गिरफ्तार किया है। इन सभी लोगों पर अवैध रूप से वसूली करने के मामले में कार्रवाई की गई है। यह पुलिस उपाधीक्षक दीपक कुमार सिंह की टीम ने यह कार्रवाई की है। इतना ही नहीं यूपी एसटीएफ ने काउंसिल को मिलने वाली फंडिंग का कहां पर इस्तेमाल किया जाता है, इसकी जांच कर रही है। जांच में पता चला है कि काउंसिल से जुड़े ये अधिकारी सर्टिफिकेट के नाम पर अवैध रूप

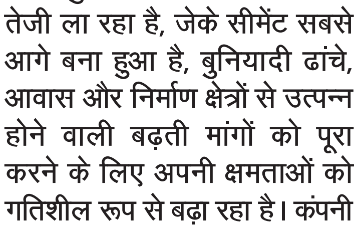

से वसूली करते थे। इसके लिए ना तो कोई जांच होती और ना ही कोई लैब टेस्टिंग की जाती थी। दरअसल यूपी एसटीएफ को हलाल सर्टिफिकेशन के नाम पर जबरन वसूली करने की सूचना मिली थी। इसके बाद यूपी एसटीएफ ने हलाल काउंसिल ऑफ इंडिया के अध्यक्ष मौलाना हबीब युसूफ पटेल, उपाध्यक्ष मौलाना मुईदशीर सपडीहा, जनरल सेक्रेटरी मुफ्ती ताहिर जाकिर और कोषाध्यक्ष मोहम्मद अनवर खान को गिरफ्तार कर लिया है। इनके पास से ४ आधार कार्ड, ४ पैन कार्ड, ३ मोबाइल फोन, ४ एटीएम कार्ड, २१ हजार ८२० रुपये की नकदी, तीन ड्राइविंग लाइसेंस, एक आरसी और २ वोटर कार्ड भी जब्त किए गए हैं। वहीं जांच में पता चला है कि हलाल काउंसिल ऑफ इंडिया प्रति सर्टिफिकेट १० हजार रुपए वसूलती थी। काउंसिल को प्रमाण पत्र जारी करने का कोई अधिकार भी नहीं था।

मथुरा में बुजुर्ग की हत्या कर लूटपाट करने के जुर्म में दंपति को उम्रकैद

मथुरा। मथुरा की एक अदालत ने घर में बुजुर्ग की हत्या कर लूटपाट करने के जुर्म में घरेलू सहायक व उसकी पत्नी को उम्रकैद की सजा सुनाई है। सहायक जिला शासकीय अधिवक्ता मुकेश गोस्वामी ने मंगलवार को बताया कि अपर जिला एवं सत्र न्यायाधीश (द्वितीय) राकेश सिंह ने वृन्दावन के एक मकान में अकेले रहने वाले बुजुर्ग की हत्या कर अलमारी से रुपये व स्कूटी लूटने वाले घरेलू सहायक व उसकी पत्नी को सोमवार को उम्रकैद की सजा सुनाई तथा दोनों पर दस–दस हजार रुपये का जुर्माना लगाया। अभियोजन पक्ष के अधिवक्ता गोस्वामी ने बताया कि यह वारदात एक वर्ष पूर्व १६ फरवरी को हुई थी। उनके मुताबिक, वृन्दावन के चौतन्य विहार क लोनी स्थित एक घर में ७८ वर्षीय राधेश्याम अग्रवाल अकेले रहते थे तथा उनके यहां काम करने वाला घरेलू सहायक सोनू रैकवार व उसकी पत्नी गंगा उर्फ सावित्री ने अग्रवाल की हत्या कर नकदी व स्कूटी आदि लूट लिया था। पुलिस ने मृतक के नाती कृष्णा की तहरीर पर मुकदमा दर्ज कर दोनों को गिरफ्तार कर लिया था।

राहुल गांधी की न्याय यात्रा पर केशव मौर्य ने कसा तंज

लखनऊ। उत्तर प्रदेश के उप मुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य ने महाराष्ट्र के पूर्व मुख्यमंत्री अशोक चव्हाण के कांग्रेस छोड़कर भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) में शामिल होने की घोषणा के बीच मंगलवार को कांग्रेस नेता राहुल गांधी पर तंज कसते हुए कहा कि उनकी न्याय यात्रा महाराष्ट्र तक पहुंचने तक पता नहीं कितने और इस पार्टी (कांग्रेस) को 'बाय–बाय' कर देंगे। गांधी परिवार का अन्याय सहते–सहते कांग्रेस के कई दिग्गज नेताओं ने पार्टी छोड़ने के लिए वह वक्त चुना जब श्री राहुल गांधी खुद न्याय यात्रा पर हैं। इस यात्रा के महाराष्ट्र तक पहुंचने तक पता नहीं कितने और इस पार्टी को बाय–बाय कर देंगे। उप मुख्यमंत्री मौर्य ने मंगलवार को सोशल मीडिया मंच 'एक्स' पर अपने एक पोस्ट में कहा, ''गांधी परिवार का अन्याय सहते–सहते कांग्रेस के कई वरिष्ठ नेताओं ने पार्टी छोड़ने के लिए वह वक्त चुना

जब श्री राहुल गांधी खुद न्याय यात्रा पर हैं।'' उन्होंने इसी पोस्ट में दावा किया, ''इस यात्रा के महाराष्ट्र तक पहुंचने तक पता नहीं कितने और इस पार्टी को 'बाय–बाय' कर देंगे। जन–जन की यही पुकार। बार–बार मोदी सरकार।'' महाराष्ट्र के पूर्व मुख्यमंत्री अशोक चव्हाण ने मंगलवार को कहा कि वह भाजपा में शामिल होंगे। चव्हाण ने सोमवार को कांग्रेस की प्राथमिक सदस्यता से इस्तीफा दे दिया था। कांग्रेस नेता राहुल गांधी की अगुवाई में निकाली जा रही 'भारत जोड़ो न्याय यात्रा' आगामी १६ फरवरी को वाराणसी से उत्तर प्रदेश में प्रवेश करेगी और भदोही, प्रयागराज तथा प्रतापगढ़ के रास्ते १६ फरवरी को अमेठी पहुंचेगी। राहुल अमेठी लोकसभा क्षेत्र के गौरीगंज में जनसभा को संबोधित करेंगे। यात्रा २० फरवरी को रायबरेली और लखनऊ पंहुचेगी। लखनऊ में रात्रि विश्राम होगा। अगले दिन यात्रा उन्नाव पहुंचेगी और उन्नाव शहर एवं शुक्लागंज होते हुए कानपुर में प्रवेश करेगी। कानपुर से हमीरपुर होते हुए झांसी पहुंचकर उसी दिन मध्य प्रदेश में दाखिल हो जाएगी।

सरकार को याद दिलाने को प्रदेश के निकाय कर्मचारी करेंगे प्रदर्शन

लखनऊ। नगर निगम, नगर पालिका, जलकल, नगर पंचायत समेत अन्य विभागों के करीब ५ लाख कर्मचारियों की कई समस्याओं का समाधान बीते कई साल से नहीं हो पाया है। कर्मचारी अपनी समस्याओं को लेकर कई बार उत्तर प्रदेश निकाय कर्मचारी महासंघ के बैनर तले प्रदर्शन भी कर चुके हैं उसके बाद भी उनकी समस्याओं और मांगों की सुनवाई अभी तक नहीं हो पाई। इन्हीं बातों से आक्रोशित एक बार फिर कर्मचारियों ने प्रदर्शन करने का मन बनाया है। १६ फरवरी को प्रदेश के सभी जिला मुख्यालयों पर निकाय कर्मचारी धरना देंगे और अपनी मांगों को लेकर सरकार को उनकी जिम्मेदारी याद दिलाएंगे। उत्तर प्रदेश स्थानीय निकाय कर्मचारी महासंघ अपनी पूर्व प्रेषित १३ सूत्रीय मांग पत्र की

पूर्ति के लिए समय समय पर ध्यानाकर्षण आन्दोलन करता आया है, इतना ही नहीं पत्राचार,शासन स्तर पर बैठक व प्रधानमंत्री, रक्षामंत्री आदि का ध्यानाकर्षण कराने के बाद भी नगर विकास विभाग ने किसी भी समस्या का समाधान नहीं किया। जिसके बाद संघ ने प्रमुख सचिव नगर विकास को एक बार फिर पत्र भेजा है। जिसमें १६ फरवरी को दोपहर १२ बजे प्रदेश की सभी इकाइयों के मुख्यालय पर गेटमीटिंग,धरना प्रदर्शन कर प्रदेश सरकार व शासन का ध्यानाकर्षण कर्मचारी करेंगे। उत्तर प्रदेश स्थानीय निकाय कर्मचारी महासंघ के प्रदेश अध्यक्ष शशि कुमार मिश्र की माने तो निकाय कर्मियों के मौलिक अधिकार, सेवा संबंधी प्रकरण, सेवा नियमावली, वेतन विसंगति, कर्मचारियों की पदोन्नति, संवर्गों का पुर्नगठन समेत १३ सूत्रीय मांगे हैं। इस पर अधिकारियों के साथ वार्ता हुई और सहमति भी बन चुकी थी, लेकिन कोई कार्रवाई नहीं हुई है।

पति वेश्यावृत्ति करने का डाल रहा दबाव

लखनऊ। ठाकुरगंज थाने में एक महिला ने ससुराल पक्ष वालों पर गंभीर आरोप लगाते हुए प्राथमिकी दर्ज कराई है। महिला का आरोप है कि ससुराल में उससे वेश्यावृत्ति किए जाने का भी दबाव डाला गया, लेकिन उसने मना कर दिया। तब उसे कई तरह की यातनाएं भी झेलनी पड़ी। प्रभारी निरीक्षक श्रीकांत राय के मुताबिक, क्षेत्र की रहने वाली महिला ने पति शावेज उर्फ राजा समेत तीन परिवारिक सदस्यों के खिलाफ कार्रवाई किए जाने की मांग की है। लिखित शिकायत में महिला ने बताया कि वर्ष २०२१ में कानपुर नगर के थाना चकेरी पूर्वी निवासी शावेज उर्फ राजा से उसका निकाह हुआ था। आरोप है कि कुछ माह बाद महिला को पति के एक्स्ट्रा मैरिटल अफेयर की जानकारी मिली थी। इसको लेकर वह विरोध करने लगी। तब महिला का शौहर उस पर वेश्यावृत्ति कराने का दबाव बनाने लगा। इंकार करने पर आरोपी ने मुंह बंद रखने की धमकी दी। फिर उसकी पिटाई कर घर से निकाल दिया। मायके आने पर महिला ने परिजनों को आपबीती सुनाई। थाने में रिपोर्ट दर्ज न होने पर महिला ने मुख्यमंत्री शिकायत प्रकोष्ठ में मदद की गुहार लगाई। अधिकारियों के आदेश पर ठाकुरगंज पुलिस ने प्राथमिकी दर्ज की है। प्रभारी निरीक्षक ने बताया कि मामला दंपति के आपसी विवाद से जुड़ा है।

मायावती ने हल्द्वानी में हुई हिंसा पर चिंता व्यक्त की

बहुजन समाज पार्टी (बसपा) प्रमुख मायावती ने उत्तराखंड के हल्द्वानी में हुई हिंसा पर चिंता व्यक्त करते हुए शनिवार को इसकी उच्च स्तरीय जांच कराए जाने की मांग की है। मायावती ने सोशल मीडिया मंच 'एक्स' पर एक बयान में कहा, ''उत्तराखंड राज्य के हल्द्वानी में हुई हिंसा और उसमें जान–माल की क्षति अति–चिंतनीय है। अगर सरकार, प्रशासन व खुफिया तंत्र सतर्क होता तो इस घटना को रोका जा सकता था। सरकार इसकी उच्च स्तरीय जांच कराए तथा अमन–चौन भी कायम करे।'' उन्होंने कहा, ''साथ ही, उत्तराखंड से सटे उत्तर प्रदेश के बरेली जिले में भी आए दिन किसी ना किसी मुद्दे को लेकर तनाव की स्थिति बनी रहती है, जिसे समय रहते सरकार को नियंत्रित कर लेना चाहिए ताकि यहां भी शांति व्यवस्था बनी रहे।

राज्यसभा चुनाव के लिए समाजवादी पार्टी ने घोषित किए ३ उम्मीदवार

लखनऊ। समाजवादी पार्टी ने मंगलवार को उत्तर प्रदेश की राज्यसभा सीटों के लिए रामजीलाल सुमन, जया बच्चन और पूर्व आईएएस अधिकारी आलोक रंजन को अपना उम्मीदवार नामित किया है। राज्यसभा चुनाव के लिए पार्टी के उम्मीदवारों पर समाजवादी पार्टी के नेता राजेंद्र चौधरी ने कहा कि हमने जया बच्चन, रामजी लाल सुमन और आलोक रंजन को मैदान में उतारा है। जहां अभिनेता से नेता बनीं जया बच्चन को फिर से राज्यसभा के लिए नामांकित किया गया है, वहीं रंजन के लिए यह पहली बार है। १५ राज्यों की ५६ राज्यसभा सीटों के लिए चुनाव २७ फरवरी को होने हैं और नामांकन दाखिल करने की आखिरी तारीख १५ फरवरी है। रामजीलाल सुमन पूर्व सांसद हैं और सपा संस्थापक मुलायम सिंह यादव के बेहद करीबी सहयोगियों में शुमार किए जाते हैं। जया बच्चन अभिनेता अमिताभ बच्चन की पत्नी हैं। पार्टी वर्ष २००४ से ही उन्हें राज्यसभा भेजती रही है। पूर्व आईएएस अधिकारी आलोक रंजन समाजवादी पार्टी के पिछले कार्यकाल में प्रदेश के मुख्य सचिव थे और अधिकारी वर्ग में उनकी खासी पकड़ मानी जाती है। सपा के वर्तमान में राज्यसभा में तीन सदस्य राम गोपाल यादव, जावेद अली खान और जया बच्चन हैं। समाजवादी पार्टी के पास १०८

विधायक हैं और विपक्षी गठबंधन 'इंडियन नेशनल डेवलपमेंटल इंक्लूसिव अलायंस' (इंडिया) में उसकी सहयोगी कांग्रेस के पास दो विधायक हैं। एक उम्मीदवार को राज्यसभा में सीट सुरक्षित करने के लिए ३७ प्रथम वरीयता वोटों की आवश्यकता होगी और इस तरह सपा तीन सदस्यों को राज्यसभा में भेज सकती है। राज्यसभा चुनाव के लिए नामांकन दाखिल करने की आखिरी तारीख १५ फरवरी है। मतदान २७ फरवरी को होगा और नतीजे उसी दिन घोषित किए जाएंगे।

मदरसा शिक्षा परिषद के पूर्व रजिस्ट्रार जगमोहन सिंह निलंबित

लखनऊ। मदरसा शिक्षा परिषद के पूर्व रजिस्ट्रार जगमोहन सिंह को शासन ने निलंबित कर दिया है। उनके खिलाफ विभागीय जांच का भी आदेश दिया गया है। सोमवार देर शाम को यह कार्रवाई कुशीनगर के हाटा से भाजपा विधायक मोहन वर्मा की शिकायत पर की गई है।

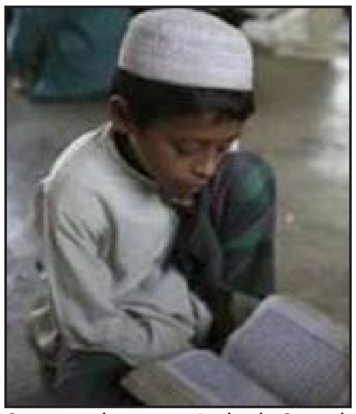

विधायक ने मुख्यमंत्री से दो शिक्षकों के फर्जी अंक पत्र के सत्यापन में गलत रिपोर्ट लगाने का आरोप लगाया था। इस मामले की जांच पूरी होने पर उनको बर्खास्त भी किया जा सकता है। कुशीनगर जनपद के मदरसा तेगिया शरीफिया नुरूल उलूम शाहपुर के दो शिक्षक साबिर अली अंसारी एवं जाकिर हुसैन अंसारी ने फर्जी अंक पत्र के आधार पर नौकरी हासिल की। दोनों शिक्षकों के अंक पत्र का सत्यापन कराने की मांग मदरसा गौसिया फैजुल उलूम महियरवां, दुदही के लिपिक अनवर हुसैन द्वारा की गई। तत्कालीन रजिस्ट्रार जगमोहन सिंह ने अपने कार्यालय द्वारा जारी पत्र संख्या–६१६ में जाकिर हुसैन की कामिल वर्ष २०१४ व साबिर अली की आलिम वर्ष २०१४ के अंक पत्रों का मिलान मुख्य परीक्षा अभिलेख से कराया जो पूर्णतया असत्य एवं फर्जी पाया गया। इसके बाद भी इन शिक्षकों के खिलाफ कोई कार्रवाई नहीं की। इसकी जानकारी होने पर कुशीनगर जनपद के हाटा से भाजपा विधायक मोहन वर्मा ने पिछले वर्ष मई में मुख्यमंत्री को पत्र लिखा। जिसमें पूर्व रजिस्ट्रार व इस मामले से संबंधित सभी तथ्यों की जांच एसआईटी से कराने और दोषियों पर कार्रवाई की मांग की। मुख्यमंत्री कार्यालय से जांच का आदेश जारी हुआ। शुरूआती जांच में पूर्व रजिस्ट्रार दोषी पाए गए। इस आधार पर तत्काल प्रभाव से उनको निलंबित कर दिया गया। दोनों शिक्षकों के शैक्षिक अभिलेख फर्जी पाये जाने के बाद भी तत्कालीन रजिस्ट्रार जगमोहन सिंह ने कार्रवाई नहीं की। न ही दोनों के खिलाफ आपराधिक मामला दर्ज कराया। विधायक का आरोप है कि दोनों मदरसा शिक्षकों से मोटी रकम लेकर अपने कार्यकाल में २६ जुलाई २०२२ को दस्तावेज को सही बता दिया गया। साथ ही शासन का ध्यान भटकाने के लिए बिना कोई कारण बताए अपने कार्यालय में तैनात लिपिक अरूण कुमार तिवारी और राकेश को २७ जुलाई २०२२ को निलंबित कर दिया। मामला शांत होने के बाद रजिस्ट्रार ने दोनों को बहाल भी कर दिया।

प्रदर्शन के बीच राहुल गांधी ने किसानों को दी कांग्रेस की पहली गारंटी

लखनऊ। कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे ने वरिष्ठ नेता राहुल गांधी के साथ मिलकर मंगलवार को एक उल्लेखनीय घोषणा की। उन्होंने घोषणा की कि अगर आगामी लोकसभा चुनाव में विपक्षी गठबंधन सत्ता में आता है तो **I-N-D-I-A** ब्लॉक विभिन्न फसलों के लिए न्यूनतम समर्थन मूल्य (**MSP**) सुनिश्चित करने वाला एक कानून लाएगा। गौरतलब है कि देशभर के किसानों की यह लंबे समय से लंबित मांग है। राहुल ने अपने एक्स पोस्ट में कहा कि किसान भाइयों आज ऐतिहासिक दिन है! कांग्रेस ने हर किसान को फसल पर स्वामीनाथन कमीशन के अनुसार डैच् की कानूनी गारंटी देने का फैसला लिया है। कांग्रेस नेता ने आगे कहा कि यह कदम १५ करोड़ किसान परिवारों की समृद्धि सुनिश्चित कर उनका जीवन बदल देगा। न्याय के पथ पर यह कांग्रेस की पहली गारंटी है। राहुल ने कहा कि आज किसान दिल्ली की ओर कूच कर रहे हैं. उन्हें रोका जा रहा है, उन पर आंसू गैस के गोले छोड़े जा रहे हैं. ..वे क्या कह रहे हैं? वे सिर्फ अपने परिश्रम का फल मांग रहे हैं। बीजेपी सरकार ने एमएस स्वामीनाथन के लिए भारत रत्न की घोषणा की.. .लेकिन वे एमएस स्वामीनाथन की कही बात को लागू करने के लिए तैयार नहीं हैं। उन्होंने अपनी रिपोर्ट में स्पष्ट रूप से उल्लेख किया कि किसानों को वास्तव में एमएसपी का कानूनी अधिकार दिया जाना चाहिए। लेकिन भाजपा सरकार ऐसा नहीं कर रही है...जब भारत सरकार सत्ता में आएगी, तो हम भारत के किसानों को एमएसपी की गारंटी देने वाला (कानून) देंगे। स्वामीनाथन रिपोर्ट में जो कहा गया है, उसे हम पूरा करेंगे।

मल्लिकार्जुन खड़गे ने कहा कि कँटीले तार, ड्रोन से आँसू गैस, कीले और बंदूकें सबका है इंतजाम, तानाशाही मोदी सरकार ने किसानों की आवाज पर जो लगानी है लगाम ! याद है ना "आंदोलनजीवी" व "परजीवी" कहकर किया था बदनाम, और ७५० किसानों की ली थी जान? १० सालों में मोदी सरकार ने देश के अन्नदाताओं से किए गए अपने तीन वादे तोड़े हैं। २०२२ तक किसानों की आमदनी दोगुनी। स्वामीनाथन रिपोर्ट के मुताबिक? **Input Cost** ५०: **MSP** लागू करना। **MSP** को कधनूनी दर्जा। उन्होंने कहा कि हमारा किसान आंदोलन को पूरा समर्थन है। कांग्रेस सांसद दीपेंद्र हुड्डा ने कहा कि बातचीत करके सरकार ने जो किसानों से समझौता किया था उन बातों की मांगो को सरकार बातचीत के जरिए समाधान करने का काम करे। किसानों की **MSP** की मांग जायज मांग है, उनके साथ बैठकर शांति पूर्ण तरीके से समझौता किया जाए। कांग्रेस नेता कमलनाथ ने कहा कि किसान ही आर्थिक गतिविधि को पैदा करते हैं। किराने की दुकान तब चलती है जब किसान की जेब में पैसा होता है... किसानों के साथ लगातार ये अन्याय होता रहा है। सबसे न्यूनतम मांग तो **MSP** की होनी चाहिए। कम से कम उन्हें सही भाव तो मिले। ये बहुत आवश्यक है। रणदीप सुरजेवाला ने कहा कि पूरा ब र्डर सील कर दिया गया है जैसे ये कोई दुश्मन देशों का ब र्डर हो. हरियाणा–पंजाब, दिल्ली से सटे राजस्थान और उत्तर प्रदेश से सटे दिल्ली के पड़ोसी जिलों में इंटरनेट सेवाएं पूरी तरह से बंद कर दी गई हैं वो भी तब जब बोर्ड पेपर सर पर हैं.दिल्ली के चारो तरफ के जिलो में मौखिक हिदायत दी गई है कि किसी किसान के ट्रैक्टर में १० लीटर से ज्यादा डीजल ना डाला जाएगा चौतरफा जुल्म का आलम है।

दिल्ली कूच पर अड़े किसान, पुलिस का प्रदर्शनकारियों पर एक्शन, दागे आंसू गैस के गोले

नयी दिल्ली। संयुक्त किसान मोर्चा और किसान मजदूर मोर्चा ने फसलों के लिए न्यूनतम समर्थन मूल्य (एमएसपी) की गारंटी के लिए कानून बनाने सहित अपनी मांगों को स्वीकार करने के लिए केंद्र पर दबाव बनाने के लिए आज सुबह १० बजे दिल्ली की ओर मार्च करना शुरू किया। २०० से अधिक किसान यूनियनों के दिल्ली की ओर जाने की उम्मीद थी, जबकि पुलिस ने 'चलो दिल्ली' मार्च को रोकने के लिए सभी सीमाओं को सील कर दिया, कंक्रीट के अवरोधक, बैरिकेड और कंटीले तार लगा दिए। पंजाब–हरियाणा शंभू सीमा पर प्रदर्शनकारी किसानों को तितर–बितर करने के लिए पुलिस ने आंसू गैस छोड़ी। एसपी झज्जर अर्पित जैन ने बताया कि यहां ११ कंपनियां तैनात हैं। हम यह सुनिश्चित कर रहे हैं कि यहां कानून–व्यवस्था की कोई स्थिति न हो और नागरिकों को आने–जाने में कोई परेशानी न हो। फिलहाल, टिकरी बॉर्डर (दिल्ली के साथ) की ओर कोई मार्च नहीं है, लेकिन स्थिति गतिशील है और हम

विभिन्न स्रोतों का उपयोग करके इसकी निगरानी कर रहे हैं। दिल्ली–नोएडा–दिल्ली (डीएनडी) रोड पर नोएडा से दिल्ली की ओर भारी वाहनों का आवागमन है, क्योंकि प्रदर्शनकारी किसानों को राष्ट्रीय राजधानी में प्रवेश करने से रोकने के लिए दिल्ली की सीमाओं पर कड़ी सुरक्षा और बैरिकेडिंग की गई है। इस बीच, दिल्ली सरकार ने किसानों के दिल्ली के अंदर आने की स्थिति में बवाना स्टेडियम को अस्थायी जेल में बदलने के केंद्र के अनुरोध को खारिज कर दिया। आप मंत्री कैलाश गहलोत ने कहा कि किसानों की मांगें वास्तविक हैं और प्रत्येक नागरिक शांतिपूर्ण विरोध करने का हकदार है। मार्च शुरू होने के दो घंटे बाद जब प्रदर्शनकारी शंभू सीमा पर पहुंचे तो हरियाणा पुलिस ने प्रदर्शनकारियों पर आंसू गैस के गोले दागने शुरू कर दिए। पंजाब और हरियाणा की सीमा शंभू सीमा पर प्रतिरोध का सामना करते हुए, किसान मजदूर मोर्चा के समन्वयक सरवन सिंह पंढेर ने कहा कि अब विरोध को आगे बढ़ाने की बारी हरियाणा के किसानों की है। पंधेर ने एक वीडियो संदेश में कहा कि प्रदर्शनकारी अधिकारियों के साथ कोई टकराव नहीं चाहते हैं।

किसानों के आंदोलन पर बसपा प्रमुख मायावती की आई पहली प्रतिक्रिया

लखनऊ। बसपा प्रमुख मायावती ने पंजाब के किसानों के प्रदर्शन पर अपनी प्रतिक्रिया दी है। पूर्व सीएम ने अपने एक्स हैंडल पर पोस्ट लिखते हुए कहा कि अपने भारत को अन्न के मामले में आत्मनिर्भर बनाने वाले मेहनतकश किसानों की जो माँगें हैं सरकार उन्हें गंभीरता से ले तथा उन पर सहानुभूतिपूर्वक विचार करके उनका समय से समुचित समाधान करे, ताकि अन्नदाता किसानों को अपनी माँगों के समर्थन में बार–बार आन्दोलन के लिए मजबूर न होना पड़े। इस सम्बंध में दिल्ली चलो के वर्तमान अभियान के तहत् आन्दोलित किसानों पर सख्ती करने के बजाय केन्द्र सरकार उनसे सही वार्ता करके उनके आन्दोलन को समाप्त करने का प्रयास करे तो बेहतर तथा इनका शोषण करना भी ठीक नहीं। आपको बता दें कि संपूर्ण कर्ज माफी और एमएसपी का रेट बढ़ाने को लेकर पंजाब के किसान आंदोलन कर रहे हैं। ये आंदोलन अब काफी

उग्र रूप ले चुका है। किसानों के आंदोलन और लोकसभा चुनाव को देखते हुए विपक्ष को भी सरकार पर वार करने का एक अच्छा अवसर मिल गया है। इसी को लेकर कांग्रेस समेत विभिन्न राजनीतिक दल सरकार को लगातार घेर रहे हैं।

स्वामी प्रसाद मौर्य ने छोड़ा सपा का दामन, राष्ट्रीय महासचिव पद से दिया इस्तीफा

लखनऊ। आगामी लोकसभा चुनाव से पहले समाजवादी पार्टी (सपा) नेता स्वामी प्रसाद मौर्य ने मंगलवार को पार्टी के महासचिव पद से अपना इस्तीफा दे दिया। हालाँकि, ७० वर्षीय नेता पार्टी के सदस्य बने रहेंगे। उन्होंने अपने फैसले के बारे में सपा मुखिया अखिलेश यादव को पत्र लिखा और अपने इस्तीफे से अवगत कराया. इस बीच, मौर्य ने यह भी कहा कि वह पद के बिना भी पार्टी को मजबूत करने का प्रयास करते रहेंगे। अपने त्याग पत्र में, मौर्य ने खुलासा किया कि उन्होंने अखिलेश यादव को श्रथ यात्राश का विचार प्रस्तावित किया था, जिसका उद्देश्य जाति–आधारित जनगणना की वकालत करना, आरक्षण की रक्षा करना, बेरोजगारी के मुद्दों को संबोधित करना और संविधान की रक्षा करना था। उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि उनका इरादा ऐसी पहलों के माध्यम से पार्टी के लिए समर्थन बढ़ाना था। उन्होंने दावा किया कि अखिलेश होली के त्योहार के बाद यात्रा शुरू करने पर सहमत हुए थे। हालांकि, इस यात्रा को कभी शुरू नहीं किया गया। गौरतलब हो इधर कुछ दिनों से समाजवादी पार्टी के तमाम नेता स्वामी प्रसाद के खिलाफ खुलकर बयानबाजी कर रहे थे। लेकिन अखिलेश यादव इस पर चुप थे। स्वामी ने रामचरितमानस पर विवादित बयान दिया था। इसके बाद उसका जमकर विरोध हुआ था। कहां जा रहा है कि अखिलेश यादव द्वारा बदायूं से ध र्मेंद्र यादव को टिकट देने के बाद स्वामी नाराज चल रहे थे। वह यहां से अपनी बेटी को लड़ना चाहते थे, जो इस समय भारतीय जनता पार्टी से सांसद हैं। लेकिन स्वामी प्रसाद केला लगातार सनातन विरोधी ब्यान देने और इस पर उसकी बेटी संघप्रिय मौर्य की चुप्पी के बाद बीजेपी ने संघप्रिया का टिकट काटने का मन बना लिया है। इसीलिए स्वामी प्रसाद अपनी बेटी को सपा के टिकट पर बदायूं से लड़ना चाहते थे। अखिलेश यादव को लिखे पत्र में स्वामी ने कहा है वह सभी पदों से इस्तीफा दे रहे हैं. स्वामी का कहना है कि सपा में नेताओं के बीच भेदभाव किया जाता है।

ई–रिक्शा चालक की मौत के बाद नगर निगम ने खोला मकान का ताला

लखनऊ। नगर निगम के अधिकारियों ने सोमवार को हैदरगंज स्थित वैरागी टोला में की गई सीलिंग की कार्रवाई से कदम पीछे हटा लिये हैं। कर्मचारियों ने आकर इलाके के घरों पर लगे चस्पा नोटिस को हटा लिया है। साथ ही घरों के तालों पर

लगे सील को भी हटा लिया है। दरअसल, १० फरवरी को नगर निगम की टीम ने वैरागी टोला के चार घरों पर गृहकर बकाया न जमा करने के चलते नोटिस चस्पा करते हुये मकानों को सील कर दिया था। साथ ही गृहकर न जमा करने पर कार्रवाई की बात भी कही थी। जिसके बाद आरोप है कि मकान सील होने कारण ई–रिक्शा चालक शीतल कश्यप ने आत्महत्या कर ली थी। स्थानीय लोगों की माने तो घर के अंदर ही ई–रिक्शा भी सील हो गया था। जिससे शीतल के आय का जरिया भी रुक गया था। इतना ही नहीं नगर निगम के अधिकारियों ने मकान सील करते समय शीतल कश्यप के साथ अभद्रता भी की थी। जिसके बाद शीतल ने आत्महत्या कर ली। ई–रिक्शा चालक के आत्महत्या करने के बाद पीड़ित परिजनों ने नगर निगम के अधिकारियों के खिलाफ लिखित शिकायत की थी। जिसके बाद नगर निगम के अधिकारियों की खूब किरकिरी हो रही थी। यही वजह है कि नगर निगम की तरफ से चस्पा की गई नोटिस हटा ली गई है। साथ ही लिखित पत्र भी दिया गया है, जिसमें लिखा है कि ताला खोल दिया गया, कोई कार्रवाई न की जाये।

राज्य सरकार तय करें विरोध स्थल...किसान आंदोलन के बीच हाईकोर्ट की बड़ी टिप्पणी

नई दिल्ली। किसानों के मार्च के मद्देनजर हरियाणा के कई जिलों में इंटरनेट सेवाओं के निलंबन और सीमाओं को सील करने के खिलाफ पंजाब और हरियाणा उच्च न्यायालय में एक याचिका दायर किए जाने के एक दिन बाद हाई कोर्ट ने मंगलवार को सुझाव दिया कि भले ही कोई प्रदर्शन हो। ऐसा करने के लिए, राज्यों को आंदोलनकारियों के लिए एक निर्दिष्ट क्षेत्र की पहचान करनी चाहिए। इसने नोटिस जारी कर पंजाब, हरियाणा और केंद्र सरकार से स्थिति रिपोर्ट दाखिल करने को कहा। उच्च न्यायालय संबंधित पक्षों से बैठकर समस्या का समाधान करने का आग्रह करके विवाद को सुलझाने का पक्षधर है। मामले की सुनवाई १५ फरवरी तक के लिए टाल दी गई है। अखिल भारतीय किसान कांग्रेस के अध्यक्ष सुखपाल सिंह खैरा ने ट्विटर पर भगवंत मान से अपील की और उनसे हरियाणा पुलिस अधिकारियों के खिलाफ प्रथम सूचना रिपोर्ट (एफआईआर) दर्ज करने का आग्रह किया। खैरा ने किसानों पर ड्रोन के माध्यम से

आंसू गैस के गोले के इस्तेमाल, रबर की गोलियां चलाने पर चिंता व्यक्त की, जिसमें पत्रकार नील भलिंदर सिंह भी घायल हुए। उन्होंने एक्स पर लिखा कि मैं भगवंत मान से आग्रह करता हूं कि वे किसानों पर ड्रोन के माध्यम से आंसू गैस के गोले फेंकने और रबर की गोलियां चलाने के अलावा पंजाब क्षेत्र में घुसपैठ करने के अलावा पत्रकार नील भलिंदर सिंह सहित कई लोगों को घायल करने के लिए जिम्मेदार हरियाणा पुलिस अधिकारियों के खिलाफ एफआईआर दर्ज करें क्योंकि यह हमारी स्वायत्तता पर हमला है। किसानों के विरोध प्रदर्शन के दौरान रैपिड एक्शन फोर्स के जवान घायल हो गए। समाचार एजेंसी ने बताया कि किसानों के विरोध प्रदर्शन के दौरान रैपिड एक्शन फोर्स के एक सदस्य को चोटें आईं और बाद में उन्हें अंबाला के सिविल अस्पताल ले जाया गया। कांग्रेस ने मंगलवार को प्रदर्शनकारी किसानों को दिल्ली की ओर बढ़ने से रोकने के लिए केंद्र और राज्य दोनों स्तरों पर भाजपा के नेतृत्व वाली सरकारों की आलोचना की। पार्टी ने इंडिया ब्ल क के सत्ता संभालने के बाद विभिन्न फसलों के लिए न्यूनतम समर्थन मूल्य (एमएसपी) सुनिश्चित करने वाले कानून की किसानों की प्राथमिक मांग को संबोधित करने का वादा किया।

किसानों के 'दिल्ली चलो' मार्च के मद्देनजर हरियााणा में केंद्रीय बलों की ५० कंपनियां तैनात

नई दिल्ली। किसानों के १३ फरवरी को प्रस्तावित दिल्ली चलो मार्च से पहले, हरियाणा पुलिस ने राज्य में कानून व्यवस्था बनाए रखने के लिए केंद्रीय अर्धसैनिक बलों की ५० कंपनियां तैनात की हैं और अधिकारियों ने शुक्रवार को कहा कि किसी को भी शांति व सद्भाव मजदूर मोर्चा ने फसलों के लिए न्यूनतम समर्थन मूल्य (एमएसपी) की गारंटी के लिए कानून बनाने सहित कई मांगों को स्वीकार करने के सिलसिले में केंद्र पर दबाव बनाने को लेकर १३ फरवरी को दिल्ली चलो मार्च की घोषणा की थी, जिसमें २०० से अधिक किसान

बिगाड़ने नहीं दिया जाएगा। उन्होंने कहा कि पुलिस ने किसानों से अगले सप्ताह होने वाले मार्च में बिना अनुमति के भाग नहीं लेने को कहा है और सार्वजनिक संपत्ति को नुकसान पहुंचाने पर सख्त कार्रवाई की चेतावनी भी दी है। संयुक्त किसान मोर्चा और किसान यूनियन हिस्सा ले सकते हैं। हरियाणा पुलिस के एक वरिष्ठ अधिकारी ने शुक्रवार को बताया कि राज्य में रैपिड एक्शन फोर्स (आरएएफ) और केंद्रीय रिजर्व पुलिस बल (सीआरपीएफ) समेत केंद्रीय अर्धसैनिक बलों की ५० कंपनियां तैनात की गई हैं।

'जब विपक्ष कमजोर होता है तो देश में तानाशाहों का जन्म होता है', राकेश टिकैत का मोदी सरकार पर निशाना

नई दिल्ली। किसानों के प्रदर्शन के बीच किसान नेता राकेश टिकैत ने कहा कि जब देश का विपक्ष कमजोर होता है तो देश में तानाशाहों का जन्म होता है। सब राजनीतिक पार्टीयां एक हैं। सत्ता वाले भी और विपक्ष वाले भी। उन्होंने कहा कि ये अपनी सरकार बचाएं... जब देश का राजा ही ये कह रहा है कि हम ४०० सीट जीतेंगे तो फिर देश में चुनाव की जरूरत कहां रह गई?... आप इसी चुनाव का नवीकरण कर लीजिए। आप क्यों देश को पागल बना रहे हैं? राकेश टिकैत ने कहा कि देश में बड़ी पूंजीवाद कंपनिया हैं... उन्होंने एक राजनीतिक पार्टी बना ली है और इस देश पर कब्जा कर लिया है। ऐसे में दिक्कते आएंगी ही... अगर उनके(किसान) साथ कोई अन्याय हुआ। उन्होंने कहा कि सरकार ने उनके लिए कोई दिक्कत पैदा की तो ना वो किसान हमसे ज्यादा दूर हैं और ना दिल्ली हमसे ज्यादा दूर है। हरियाणा पुलिस ने न्यूनतम समर्थन मूल्य (एमएसपी) पर कानून बनाने की

मांग कर रहे किसानों के दिल्ली कूच करने के बीच अंबाला के समीप शंभू में पंजाब से लगती सीमा पर लगाए अवरोधक तोड़ने की कोशिश करने वाले किसानों पर आंसू गैस के गोले छोड़े। अधिकारिक सूत्रों ने बताया कि कुछ किसानों को शंभू सीमा के समीप हिरासत में भी लिया गया है। अधिकारियों ने बताया कि किसानों के 'दिल्ली चलो' मार्च में शामिल युवाओं के एक समूह ने अंबाला में शंभू सीमा पर लगाए अवरोधक तोड़ने की कोशिश की जिसके बाद हरियाणा पुलिस ने आंसू गैस के गोले छोड़े। जब कुछ युवाओं ने लोहे के अवरोधक तोड़े और इसे घग्घर नदी पुल से फेंकने की कोशिश की तो पुलिस को आंसू गैस के कई गोले छोड़ने पड़े। उन्होंने बाद में आंसू गैस का गोला गिराने के लिए एक ड्रोन का भी इस्तेमाल किया। किसानों ने फसलों के लिए एमएसपी की कानूनी गारंटी देने समेत अन्य मांगों को लेकर दो केंद्रीय नेताओं के साथ बैठक बेनतीजा रहने के बाद दिल्ली की ओर कूच करने का फैसला किया।

टोल प्लाजा के डिवाइडर से टकराई तीर्थयात्रियों से भरी बस

प्रतापगढ़। तीर्थयात्रियों को लेकर जा रही एक बस के जिले के कोहडौर थाना क्षेत्र में निर्माणाधीन टोल प्लाजा के डिवाइडर से टकरा जाने के कारण १७ यात्री घायल हो गए। पुलिस ने मंगलवार को यह जानकारी दी। कोहडौर की थाना प्रभारी निरीक्षक प्रीति कटियार ने बताया कि जिला बहराइच व गोंडा सीमा के बगड़वा बाजार से एक निजी बस से ६५ तीर्थयात्री प्रयागराज संगम स्नान के लिए जा रहे थे। प्रयागराज अयोध्या राजमार्ग पर धरौली मधुपुर गांव के निकट सोमवार रात बस निर्माणाधीन टोल प्लाजा के डिवाइडर से टकरा गई। इस घटना में बस में सवार १७ तीर्थयात्री घायल हो गए। उन्होंने बताया कि सभी घायलों को उपचार के लिए स्थानीय अस्पताल लाया गया। चिकित्सकों ने अरुण, धनीराम, पुद्दन व मोहित की गंभीर स्थिति को देखते हुए उन्हें स्वरुप रानी नेहरु (एसआरएन) अस्पताल, प्रयागराज रेफर कर दिया है।

अयोध्या में श्रद्धालुओं की लगातार बढ़ती भीड़ देखकर होटल उद्यमियों के लोगों में खुशी की लहर

अयोध्या। अयोध्या में भगवान राम के भव्य मंदिर की २२ जनवरी को प्राण प्रतिष्ठा होने के साथ ही वहां पर आने वाले श्रद्धालुओं की संख्या में जबर्दस्त उछाल देखा गया है। इसको देखते हुए होटल उद्यमियों का कहना है कि धार्मिक पर्यटकों की संख्या बढ़ने से अयोध्या में अगले पांच वर्षों में विभिन्न श्रेणियों के ५०

से १०० होटल शुरू होने की संभावना है। भारतीय होटल संघ (एचएआई) के उपाध्यक्ष केबी कचरू ने कहा, "हमारे पास यह मौका है कि हम अयोध्या को धार्मिक पर्यटन के नजरिये से नहीं बल्कि इसे भारत का वेटिकन जैसा बनाने के एक अवसर के रूप में देखें। अगर लोग इटली या रोम जाते हैं तो चाहे वे किसी भी वर्ग से ताल्लुक रखते हों, वे वेटिकन जरूर जाते हैं।" काचरू ने संवाददाता सम्मेलन में कहा कि अयोध्या को पूरी दुनिया के समक्ष इस तरह पेश किया गया है कि इसे लेकर लोगों की दिलचस्पी कई गुना बढ़ी है। उन्होंने कहा, "लोगों को ऐसा लग रहा है कि अगर वे भारत जा रहे हैं तो उन्हें अयोध्या भी जाना चाहिए। इस बात को ध्यान में रखते हुए सभी ब्रांडेड होटल कंपनियां इस शहर में वृद्धि को लेकर आशान्वित हैं।" इस मौके पर एचएआई के अध्यक्ष पुनीत चटवाल ने कहा कि अब अयोध्या का समय आ चुका है और इसे कोई भी रोक नहीं सकता है। उन्होंने कहा कि अगले तीन से पांच वर्षों में अयोध्या के भीतर ५० से लेकर १०० होटल तक बनाए जाएंगे। दूसरी ओर अयोध्या में आ रहे श्रद्धालुओं का उत्साह देखते ही बन रहा है। रामलला के दर्शन और हनुमानगढ़ी में पूजन करने पहुँच रहे भक्त व्यवस्थाओं से काफी हद तक संतुष्ट नजर आये।

यूपी में बड़ा प्रशासनिक फेरबदल,८ आईपीएस अफसरों का हुआ तबादला

लखनऊ। उत्तर प्रदेश की योगी आदित्यनाथ सरकार ने लोकसभा चुनाव से पहले एक बार फिर से प्रशासनिक फेरबदल करते हुए ८ आईपीएस अधिकारियों का तबादले किया है। आदेश के मुताबिक कानपुर नगर में संयुक्त पुलिस आयुक्त (अपराध) श्री नीलाब्जा चौधरी का तबादला कर दिया गया है। उन्हें लखनऊ में पुलिस महानिरीक्षक पीएसी हेडक्वार्टर भेजा गया है। उनकी जगह विपिन कुमार मिश्रा को कानपुर नगर का अपर पुलिस आयुक्त नियुक्त किया गया है। वो अब तक वाराणसी पीएसी सेक्टर के पुलिस उपमहानिरीक्षक की जिम्मेदारी सँभाल रहे थे। इनके अलावा २००४ बैच के अधिकारी श्री चंद्र प्रकाश का लखनऊ में पुलिस महानिरीक्षक प्रशिक्षण निदेशालय में तबादला किया गया है वो अभी तक पुलिस महानिरीक्षक अभिसूचना की जिम्मेदारी सँभाल रहे थे। आईपीएस सुरेश्वर उनकी जगह लखनऊ में पुलिस महानिरीक्षक अभिसूचना का पदभार ग्रहण करेंगे। आईपीसी कमलेश कुमार दीक्षित को कानपुर सेनानायक ३७वीं वाहिनी से लखनऊ ट्रांसफर किया गया है। वो अब से यहां पुलिस कमिश्नरेट में पुलिस उपायुक्त का पदभार संभालेंगे। प्रशासन की ओर से जारी आदेश में सभी अधिकारियों को तत्काल अपना पदभार ग्रहण कर आदेश का पालन करने के निर्देश दिए गए हैं। वहीं ।क्ळ अमरेन्द्र सेंगर को ।क्ळ लखनऊ जोन का प्रभार मिला है। इसके आवाला जहां ।क्ळ पीयूष मोर्डिया को ।क्ळ वाराणसी जोन बनाया गया है तो वहां ।क्ळ रामकुमार को मानवाधिकार की जिम्मेदारी दी गई है।

अनुराग ठाकुर ने किसान नेताओं से शांति की अपील की

नई दिल्ली। केंद्रीय मंत्री अनुराग ठाकुर ने कहा कि मोदी सरकार ने कृषि क्षेत्र के बढ़ावे के लिए और किसान के कल्याण के बहुत सारे कार्य किए हैं। अनुराग ठाकुर का यह बयान ऐसे समय में आया है जब किसान न्यूनतम समर्थन मूल्य (एमएसपी) की मांग को लेकर दिल्ली चलो मार्च निकाल रहे है। अनुराग ठाकुर ने कहा कि जब किसानों ने मांग रखी तब हमने चर्चा के लिए एक दम से सहमति जताई। इस बार भी हमारे केंद्रीय मंत्री चंडीगढ़ गए और कई घंटे तक वार्ता भी की, जब किसान उठ कर चल पड़े तब भी हमने कहा कि चर्चा को जारी रखिए.... जब नए मुद्दे जुड़ते जाएंगे तो समय तो लगेगा.....हमारा कहना है कि हम नए विषयों पर भी चर्चा करने के लिए तैयार हैं लेकिन इस पर अन्य लोगों से भी बात करनी पड़ेगी, क्या ये गलत हैं? अनुराग ठाकुर ने कहा कि मैं प्रदर्शनकारियों से कहूंगा कि हिंसा ना करें, उग्र ना हों। मैं किसान नेताओं से अनुरोध करता हूं कि कृप्या करके बातचीत का दौर जारी रखें। उन्होंने कहा कि हम लगातार कहते हैं, शांति बनाए रखें और चर्चा में भाग लें। अगर पीएम मोदी कतर में नौसेना अधिकारियों को मौत की सजा से बचा सकते हैं और उन्हें सुरक्षित देश ला सकते हैं, तो हम बातचीत के जरिए समाधान निकाल सकते हैं...हिंसा या बर्बरता से कुछ हासिल नहीं होगा, इससे देश को नुकसान होगा,

इसलिए कृपया बातचीत जारी रखें। मैं शांति बनाए रखने की अपील करता हूं और किसान नेताओं से बातचीत में शामिल होने का अनुरोध करता हूं। अनुराग ठाकुर ने आगे कहा, 'प्रदर्शनकारियों को समझना चाहिए कि एकदम से नए मुद्दों को चर्चा में जोड़ते रहने से उनका तत्काल समाधान नहीं हो सकता। अगर आप भारत के **WTO** से अलग होने की बात करोगे, फ्री ट्रेड एग्रीमेंट खत्म करने की बात करोगे, स्मार्ट मीटर लगाने बंद कर दोगे, पराली वाले विषय पर हमें बाहर कर दोगे या जलवायु के मुद्दे से कृषि को बाहर करने की बात करोगे, दो यह एक दिन के निर्णय नहीं है। इसके लिए दूसरे स्टेकहोल्डर और राज्यों से भी बात करनी होगी। और इसलिए सरकार ने इसके ऊपर विस्तृत चर्चा करने हेतु कमेटी बनाने का प्रस्ताव भी दिया है। सरकार की ओर से ना पहले कमी थी ना अब कमी है। 'अनुराग ठाकुर ने आगे कहा,'कुछ लोग इस मुद्दे पर राजनीतिक रोटियां सेकना चाहते हैं। कांग्रेस के बयान पर मुझे हंसी आती है। २०१३–१४ में जब उनकी सरकार थी, तब यूपीए काल का सबसे ज्यादा कृषि बजट २७ हजार ६६२ करोड रुपए था। अभी मोदी सरकार का कृषि बजट १ लाख २५ हजार करोड़ से ज्यादा है। यानी यूपीए काल से ५ गुना ज्यादा कृषि बजट। उनके समय किसान सम्मान निधि नहीं थी, हमने किसान सम्मान निधि के माध्यम से ११ करोड़ से ज्यादा किसानों को २ लाख ८१ हजार करोड रुपए सीधा उनके बैंक खातों में हस्तांतरित किए हैं। उनके समय के फसल बीमा योजना के अंतर्गत किसानों को कुछ नहीं मिलता था। मोदी सरकार में डेढ़ लाख करोड़ से ज्यादा का मुआवजा किसानों को मिला है। १० हजार एफपीओ में से ८ हजार बन चुके हैं और इसे लाखों किसान भी जुड़ चुके हैं।'

महिला अपनी तीन बच्चियों को लेकर यमुना नदी में कूदी, बच्चियों की मौत

मथुरा। मथुरा जनपद में एक महिला अपनी तीन बच्चियों को लेकर यमुना नदी में कूद गई। पानी कम होने के कारण वह तो डूबने से बच गई परंतु उसकी बेटियों की मौत हो गई। महिला को जिला अस्पताल में भर्ती कराया गया है। पुलिस के अनुसार, इस घटना से कुछ ही घंटे पहले बच्चियों सहित यमुना में कूदने वाली महिला व उसके पति के बीच समझौता कराया गया था। लेकिन घर पहुंचकर पति पत्नी में फिर से झगड़ा हुआ और सोमवार देर शाम वह बच्चियों सहित यमुना नदी में कूद गई। पुलिस अधीक्षक नगर अरविंद कुमार ने बताया कि यह दंपति थाना कोतवाली के डैम्पीयर नगर इलाके का रहने वाला है। नदी में छलांग लगाने वाली महिला पूनम का मायका धौलपुर के नाना साहब का बाड़ा इलाके में है। उसकी शादी २०१५ में मथुरा के हरिओम के साथ हुई थी, जो मोबाइल फोन व टीवी आदि उपकरणों की मरम्मत का काम करता है। उनकी तीन बेटियां हैं। पुलिस के अनुसार, महिला को शक था कि उसके पति के कोसीकलां की एक महिला के साथ अवैध संबंध हैं जिससे वह फोन पर बात करता रहता है। उसने रविवार को उस महिला को फोन पर काफी भला–बुरा कहा था। महिला सोमवार को उसकी रिकॉर्डिंग लेकर पुलिस के पास पहुंची थी। तब पुलिस ने महिला व उसके पति को कोतवाली बुलाकर दो घण्टे की मशक्कत के बाद समझौता करा दिया था। किंतु घर पहुंचने

के बाद महिला व उसके पति हरिओम के बीच फिर विवाद हो गया। जिसके बाद पति तो घर से बाहर कहीं चला गया जबकि महिला तीनों बेटियों को लेकर यमुना पार इलाके में पहुंच गई और नदी में छलांग लगा दी। पुलिस अधीक्षक के मुताबिक महिला जहां कूदी, वहां पानी की गहराई कम होने की वजह से वह तो बच गई परंतु तीनों बेटियां अंशिका (८), वंशिका (६) और चारू (३) की डूबने से मौत हो गई। घाट के आसपास मौजूद लोगों ने उसे निकाला। पुलिस की मदद से उसे अस्पताल में भर्ती कराया गया जहां उसका उपचार चल रहा है।

आपदा नियंत्रण के लिए आईआईटी रुड़की के EUperts की मदद लेगी योगी सरकार

लखनऊ। योगी सरकार प्रदेश में आपदाओं से निपटने के लिए आईआईटी रुड़की के विशेषज्ञों का सहयोग लेगी। योगी सरकार के इस कदम से आपदाओं से होने वाली जनहानि को न्यूनतम करने के साथ आपदा से पहले ही लोगों को सुरक्षित स्थान पर शिफ्ट किया जा सकेगा। इसके लिए योगी सरकार के निर्देश पर राहत आयुक्त कार्यालय और आईआईटी रुड़की के बीच जल्द ही एक एमओयू साइन किया जाएगा। इसके तहत, आईआईटी रुड़की के विशेषज्ञ विभाग के कर्मचारियों को आपदा बचाव के उच्च प्रबंधन का प्रशिक्षण देने का मार्ग प्रशस्त करेंगे। साथ ही, आपदाओं पर शोध व आंकलन के जरिए प्रदेश में ऐसी स्थिति उत्पन्न होने से पहले ही कार्य योजना के विकास व क्रियान्वयन का मार्ग सुनिश्चित करेंगे। अपर मुख्य सचिव सुधीर गर्ग ने बताया कि उत्तर प्रदेश देश के अन्य राज्यों की तुलना में आपदाओं की दृष्टि से संवेदनशील राज्य है। ऐसे में, मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ इस विषय पर विशेष रूप से ध्यान केंद्रित कर रहे हैं। उल्लेखनीय है कि मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने हाल में ही आपदा प्रबंधन की समीक्षा बैठक में इससे निपटने और इसके कारणों पर अध्ययन करने के निर्देश दिये थे। इसी क्रम में, आईआईटी रुड़की से एमओयू को लेकर बातचीत चल रही है। एमओयू को लेकर आईआईटी रुड़की और राहत आयुक्त कार्यालय के बीच सहमति बन गई है जल्दी ही दोनों के बीच एमओयू साइन किया जाएगा। यह एमओयू पांच साल के लिए मान्य होगा। इसके तहत आईआईटी रुड़की के विशेषज्ञ आपदा प्रबंधन का प्रशिक्षण देने के साथ इसके कारणों पर शोध करेंगे। इतना ही नहीं विशेषज्ञ उत्तर प्रदेश के जलवायु पैटर्न, प्रारंभिक चेतावनी प्रणाली और जोखिम पर शोध करेंगे। इसके जरिये आपदाओं से निपटने के लिए अत्याधुनिक तकनीकों व सटीक कार्यप्रणाली के विकास का मार्ग भी प्रशस्त होगा। वहीं, संस्था के विशेषज्ञ प्रदेश में महामारी, बाढ़, सूखा, अतिवृष्टि, वज्रपात जैसी आपदाओं की बढ़ती घटनाओं के कारणों का भी पता लगाने में सक्षम हो पाएंगे। इसी के अनुसार विभाग के कर्मचारियों को जागरुक किया जाएगा, जिससे समय रहते आपदाओं के कारण उत्पन्न होने वाले प्रतिकूल प्रभावों से निपटा जा सकेगा। राहत आयुक्त जीएस नवीन ने बताया कि आईआईटी रुड़की के विशेषज्ञ आपदा प्रबंधन के साथ चकबंदी संबंधी मामलों में अपना सहयोग करेंगे। आईआईटी रुड़की चकबंदी के सर्वेक्षण और भूमि की नाप–जोख में तकनीकी सहयोग के माध्यम से मामलों के निपटारे में अहम भूमिका निभाएगा। बता दें कि अक्सर चकबंदी के दौरान भूमि की नाप–जोख को लेकर विवाद सामने आते हैं। ऐसे में आईआईटी रुड़की के विशेषज्ञ तकनीक का प्रयोग कर इसे सुलझाने में मदद करेंगे। इसके लिए कार्यशाला, सेमिनार, प्रशिक्षण सत्रों और पाठ्यक्रमों का आयोजन किया जाएगा। इसमें आपदा जोखिम न्यूनीकरण के लिए प्रौद्योगिकी अनुप्रयोगों में आईआईटी रुड़की की अनुसंधान क्षमताओं का उपयोग प्रदेश की आवश्यकताओं के अनुरूप नये समाधान विकसित करने पर फोकस किया जाएगा। एमओयू के तहत होने वाले प्रकाशन, पेटेंट, रॉयल्टी, सॉफ्टवेयर, डिजाइन और विकसित तकनीक आदि से संबंधित अधिकार आईआईटीआर आईपीआर नीति के अनुसार केस–टू–केस आधार पर तय किए जाएंगे।

गायिका मल्लिका राजपूत की संदिग्ध परिस्थिति में मौत, पुलिस को आत्महत्या शक

सुलतानपुर। स्थानीय गायिका विजय लक्ष्मी उर्फ मल्लिका राजपूत (३५) की मंगलवार को संदिग्ध परिस्थितियों में मौत हो गई। पुलिस ने यह जानकारी दी। गायिका का

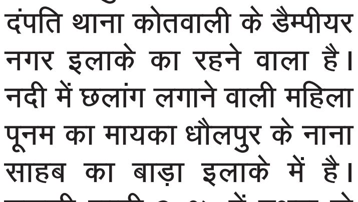

शव मंगलवार को कोतवाली नगर के सीताकुंड मोहल्ले में स्थित उनके घर के कमरे में पंखे से लटकता हुआ पाया गया। मल्लिका राजपूत की मौत के बाद स्थानीय लोगों की भीड़ मौके पर जमा हो गई। सूचना मिलने पर कोतवाली नगर पुलिस घटनास्थल पहुंची और शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। पुलिस घटना के कारणों की जांच कर रही है। मल्लिका की मां सुमित्रा सिंह ने कहा कि घटना कब हुई इस बारे में उन्हें पता नहीं चल सका क्योंकि घर के सभी लोग अपने अपने कमरे में आराम कर रहे थे। कोतवाली नगर प्रभारी श्रीराम पाण्डेय ने बताया कि प्रथम ष्टया मामला आत्महत्या का प्रतीत होता है। उन्होंने कहा कि पोस्टमार्टम रिपोर्ट आने के बाद ही स्थिति स्पष्ट हो पाएगी। रिपोर्ट के आधार पर आगे की विधिक कार्रवाई की जाएगी।

पुलिस ने मुठभेड़ के बाद तीन बदमाशों को किया गिरफ्तार

आगरा। आगरा के जगदीशपुरा थाना क्षेत्र में पुलिस ने मुठभेड़ के बाद तीन कथित वाहन चोरों को गिरफ्तार किया है। अधिकारी ने मंगलवार को यह जानकारी दी। पुलिस ने बताया कि मुठभेड़ में एक बदमाश जख्मी भी हो गया है। इस संबंध में पुलिस उपायुक्त (शहर) सूरज राय ने बताया कि मंगलवार को थाना जगदीशपुरा के अंतर्गत बिचपुरी फाटक के पास एसओजी, सर्विलांस और पुलिस की संयुक्त टीम ने वाहन चोरों को घेर लिया। उन्होंने बताया कि बदमाशों ने पुलिस पर गोलीबारी की तो पुलिस ने भी जवाबी कार्रवाई की जिसमें एक बदमाश को गोली लग गई जिसकी पहचान नेत्रपाल के तौर पर हुई है और उसे अस्पताल में भर्ती कराया गया है। राय ने बताया कि पुलिस ने नेत्रपाल समेत तीन बदमाशों को गिरफ्तार कर लिया है। अन्य बदमाशों की पहचान विजयपाल तथा चीनू के रूप में हुई है। पुलिस उपायुक्त के मुताबिक नेत्रपाल पर लगभग १७ मुकदमे दर्ज हैं। उन्होंने बताया कि इन अभियुक्तों के पास से घटना में प्रयुक्त कार, एक देसी पिस्तौल, कारतूस और खोखे बरामद किए गए हैं।

दो दिन में 317 करोड़ रुपये के विकास कार्यों का उपहार देंगे सीएम योगी

गोरखपुर। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ दो दिन (१४ व १५ फरवरी) के अलग–अलग कार्यक्रमों में जन कल्याण के कार्यों को नई ऊंचाई देने के साथ ही करीब ३१७ करोड़ रुपये की विकास परियोजनाओं का शिलान्यास और लोकार्पण भी करेंगे। बुधवार (१४ फरवरी) को वह २५२ करोड़ रुपये से अधिक की लागत वाली ६१ विकास परियोजनाओं का शिलान्यास करेंगे। जबकि गुरुवार (१५ फरवरी) को ६० करोड़ रुपये की एक महत्वपूर्ण परियोजना का शिलान्यास और करीब पांच करोड़ रुपये की एक परियोजना का लोकार्पण करेंगे। इन दो दिनों में वह मुख्यमंत्री सामूहिक विवाह योजना, नारी शक्ति वंदन, गांव चलो अभियान के कार्यक्रमों में भी शामिल होंगे। सीएम योगी के बुधवार को दोपहर बाद गोरखपुर आने का कार्यक्रम प्रस्तावित है। सबसे पहले वह खाद कारखाना परिसर में आयोजित मुख्यमंत्री आयोजित सामूहिक विवाह समारोह में पहुंचेंगे। यहां करीब एक हजार जोड़ों का विवाह संपन्न होना है। मुख्यमंत्री इन जोड़ों को उपहार और आशीर्वाद प्रदान करेंगे। इसी कार्यक्रम के मंच से सीएम योगी विभिन्न कार्यदायी संस्थाओं के ६१ विकास कार्यों का शिलान्यास

करेंगे। इन विकास कार्यों पर २५२ करोड़ ०६ लाख ४६ हजार रुपये की लागत आएगी। इनमें १३१.५० करोड़ रुपये की जल निगम (ग्रामीण) की ३६ पेयजल परियोजनाएं शामिल हैं। बुधवार को सायंकाल मुख्यमंत्री रजही आजादनगर (वनटांगिया गांव) आकर गांव चलो अभियान के कार्यक्रम में सम्मिलित होकर ग्रामीणों से संवाद कर उन्हें कल्याणकारी योजनाओं के बारे में जागरूक करेंगे। गोरखपुर दौरे के दूसरे दिन मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ गुरुवार को पूर्वाह्न योगिराज बाबा गंभीरनाथ प्रेक्षागृह में आयोजित होने वाले नारी शक्ति वंदन कार्यक्रम में शामिल होंगे। इस कार्यक्रम में वह राष्ट्रीय ग्रामीण आजीविका मिशन (एनआरएलएम) से जुड़कर स्वावलंबी हो रही महिलाओं को सम्मानित करने के साथ स्वयं सहायता समूह की सदस्यों से संवाद करेंगे। इस कार्यक्रम के बाद मुख्यमंत्री दोपहर में बीआरडी मेडिकल क लेज में आयोजित समारोह में ६० करोड़ रुपये की परियोजना का शिलान्यास और करीब पांच करोड़ रुपये की परियोजना का लोकार्पण करेंगे। मेडिकल क लेज में ५० यूजी सीटों की वृद्धि के लिए ६० करोड़ रुपये से नए भवन का निर्माण कराया जाएगा। जबकि यहां एक मेगावाट क्षमता के सोलर रूफटफ प प्लांट का लोकार्पण होना है। इससे मेडिकल कालेज के विद्युत व्यय में प्रति वर्ष ७२ लाख रुपये की बचत होगी।

राज्यसभा के लिए नामांकन दाखिल कर सकती हैं सोनिया गांधी, प्रियंका को रायबरेली से चुनाव लड़ाने की तैयारी

नई दिल्ली। सोनिया गांधी के आगामी राज्यसभा चुनाव लड़ने की संभावना है, जिसमें वह अपनी लोकसभा सीट बेटी प्रियंका गांधी वाड्रा को सौंप देंगी। कांग्रेस की पूर्व अध्यक्ष सोनिया गांधी २७ फरवरी को उत्तर भारत की सीट से राज्यसभा चुनाव लड़ेंगी। जानकारी के मुताबिक सोनिया गांधी १४ फरवरी को राज्यसभा के लिए नामांकन दाखिल करेंगी। वह राजस्थान या हिमाचल प्रदेश से अपना नामांकन दाखिल कर सकती हैं। यदि सोनिया गांधी राज्यसभा में जाती हैं तो रायबरेली से आगामी चुनाव में प्रियंका मैदान में उतर सकती है। यदि सोनिया गांधी राज्यसभा सीट के लिए राजी हो जाती हैं, तो यह ७७ वर्षीय नेता के लिए उच्च सदन में पहला कार्यकाल होगा, जो पांच बार लोकसभा सदस्य रह चुकी हैं। अगर प्रियंका गांधी रायबरेली की लोकसभा सीटों पर चुनाव लड़ती हैं तो यह उनका पहला चुनाव होगा। सोनिया गांधी ने २०१६ के लोकसभा चुनाव के दौरान कहा था कि यह आखिरी बार है जब वह आम चुनाव लड़ रही हैं। कांग्रेस को कर्नाटक, तेलंगाना, हिमाचल प्रदेश, राजस्थान और महाराष्ट्र राज्यों से राज्यसभा सीटों पर चुनाव के लिए उम्मीदवारों के नाम घोषित करने हैं। इस बीच, राजस्थान विधानसभा में विपक्ष के नेता टीका राम जूली ने आलाकमान से राजस्थान से सोनिया गांधी की उम्मीदवारी की घोषणा करने का

आग्रह किया। गांधी, पार्टी की राष्ट्रीय गठबंधन समिति के सदस्य मुकुल वासनिक और सलमान खुर्शीद और कोषाध्यक्ष अजय माकन सहित शीर्ष कांग्रेस नेताओं ने २७ फरवरी को आगामी राज्यसभा चुनावों के लिए पार्टी के उम्मीदवारों के नामों पर चर्चा करने के लिए पार्टी प्रमुख मल्लिकार्जुन खड़गे से उनके आवास पर मुलाकात की। महासचिव (संगठन) केसी वेणुगोपाल भी सोमवार को बैठक में मौजूद थे।

मुनाफा कमाने वालों से मिली है सरकार, किसानों को नहीं देना चाहती एमएसपी : अखिलेश यादव

लखनऊ। समाजवादी पार्टी (सपा) के अध्यक्ष और उत्तर प्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री अखिलेश यादव ने किसानों के आंदोलन पर केंद्र सरकार को घेरते हुए मंगलवार को आरोप लगाया कि सरकार किसानों को एमएसपी देना नहीं चाहती और "मुनाफा कमाने वालों" से मिली हुई है। राज्यसभा चुनाव के लिए सपा के तीन उम्मीदवारों का मंगलवार को विधानसभा में नामांकन दाखिल कराने के बाद पार्टी प्रमुख यादव ने किसानों के आंदोलन पर पत्रकारों द्वारा पूछे गये सवालों का जवाब देते हुए कहा, ''जो सरकार किसानों के नाम पर वोट लेना चाहती हो, जो सरकार स्वामीनाथन व किसानों के नेता चौधरी चरण सिंह को भारत रत्न दे रही हो, वह आखिरकार किसानों को एमएसपी क्यों नहीं दे रही है।'' अखिलेश यादव ने आरोप लगाया, ''सरकार या तो एमएसपी देना नहीं चाहती या बड़े लोगों से मिली है, या जो लोग मुनाफा कमाना चाहते हैं उनसे सरकार मिली हुई है।'' उन्होंने कहा, ''इसी का परिणाम है कि सरकार किसानों की आवाज दबाने के लिए ऐसा कार्य कर रही है।'' फसलों के लिए न्यूनतम समर्थन मूल्य (एमएसपी) की कानूनी गारंटी देने समेत अन्य मांगों को लेकर दो केंद्रीय मंत्रियों के साथ बैठक बेनतीजा रहने के बाद पंजाब से किसानों ने मंगलवार सुबह अपना 'दिल्ली चलो' मार्च शुरू किया। किसानों के 'दिल्ली चलो' विरोध मार्च में शामिल युवाओं के एक समूह ने मंगलवार को अंबाला (हरियाणा) में शंभू बॉर्डर पर लगाए गए बैरिकेड को तोड़ने की कोशिश की, जिसके बाद भीड़ को तितर–बितर करने के लिए हरियाणा पुलिस ने आंसू गैस के गोले छोड़े। इस मामले को लेकर पत्रकारों से सपा प्रमुख ने कहा, ''जो कुछ हो रहा है और जिस तरह से खबरें आ रही हैं कि आंसू

गैस (छोड़ी गई है) और उससे पहले किसानों को रोकने के लिए, आंदोलन को रोकने के लिए किलों से लेकर न जाने क्या क्या दीवारें खड़ी की गयीं. प्रशासन के माध्यम से सरकार जो कर सकती है, वह कर रही है।'' अखिलेश यादव ने आरोप लगाया, ''दिल्ली (केंद्र) की सरकार जानबूझकर किसानों की आवाज दबाना चाहती है। यह वही सरकार है, जिन्होंने किसान से कहा था कि उनकी आय दोगुनी हो जाएगी, एमएसपी लागू किया जाएगा, फसल की कीमत मिलेगी, लेकिन कुछ नहीं हुआ।'' उन्होंने कहा, ''कुछ वर्ष पहले आपने देखा किसान धरने पर बैठ गये। आठ सौ से ज्यादा किसानों की जान चली गयी लेकिन उसके बाद भी सरकार किसानों को एमएसपी देने को तैयार नहीं है।'' उन्होंने इस सरकार में हर परीक्षा में पेपर लीक होने का भी आरोप लगाया। अबू धाबी में प्रधानमंत्री द्वारा मंदिर के उद्घाटन के बारे में पूछे जाने पर पूर्व मुख्यमंत्री ने कहा, ''हर जगह भगवान के मंदिर हैं और ये दुनिया में फैले हैं। भगवान राम और कृष्ण के मंदिर बहुत मिलेंगे। यूरोप चले जाएं, रूस चले जाएं आबू धाबी, अमेरिका सब जगह भगवान के मंदिर हैं। ये मंदिर आज से तो बन नहीं रहे हैं, जाने कब से बन रहे हैं।'' यादव ने कहा, ''दूसरे देशों से बहुत से लोग प्रभावित होकर भारत आए हैं। भारत हमारे धर्मों का देश है। यहां लोग शांति के लिए आते हैं।'' उन्होंने कहा, ''हमें स्वामी विवेकानंद को याद रखना चाहिए। उन्होंने कहा था हमारे देश में धर्म की कमी नहीं है, धर्म बहुत हैं, लेकिन रोटी कब मिलेगी और रोजगार कब मिलेंगे।'' अखिलेश यादव ने कहा, ''धर्म का अपना स्थान है, लेकिन सरकार की जिम्मेदारी है कि लोगों को रोजगार मिले, रोटी मिले, सामाजिक न्याय मिले और किसानों का हक व सम्मान बना रहे।श्श् एक सवाल के जवाब में उन्होंने कहा कि इटावा में मंदिर का कार्य पूर्ण हो जाएगा तो आप लोगों को भी बुलाएंगे। यादव के नेतृत्व में इटावा में भगवान शिव का केदारेश्वर मंदिर बन रहा है।

एविएटर गेम के चक्कर में इंटरमीडिएट के छात्र ने किया सुसाइड

लखनऊ। चौक कोतवाली थानाक्षेत्र अन्तर्गत गाजी मंडी बाजाजा मोहल्ले में एविएटर गेम के चक्कर इंटरमीडिएट के छात्र मो. दानियाल (२०) ने मंगलवार की सुबह घर में फंदा लगाकर खुदकुशी कर ली। दोस्तों को मैसेज कर छात्र ने आत्मघाती कदम उठा लिया। घटनास्थल पर पहुंची पुलिस ने परिजनों से पूछताछ कर शव को पोस्टमार्टम में भेज दिया

है। प्रभारी निरीक्षक नागेश उपाध्याय के मुताबिक, बुधवार करीब साढ़े दस बजे पुलिस कंट्रोल रूम पर सूचना मिली कि गाजी मंडी बाजाजा मोहल्ले छात्र मो. दानियाल ने फंदा लगा लिया। घटनास्थल पर पहुंची पुलिस ने छात्र को फंदे उतार नजदीकी अस्पताल में पहुंचाया। जहां ड क्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया। इकलौते बेटे की मौत जानकारी मिलते ही मां हिना बेहोश होकर गिर पड़ी। आनन–फानन उन्हें अस्पताल में भर्ती कराया गया है। जहां उनका इलाज चल रहा है। मामा शाबाद रिजवी ने बताया कि दानियाल के पिता साहिद हुसैन दुबई में नौकरी करते हैं। उन्हें भी बेटे की मौत की जानकारी दी गई है। बताया कि दानियाल दो बहनों में बड़ा भाई था। वह पढ़ाई में होनहार होने के साथ उसकी अ नलाइन गेम में भी रुचि थी। बताया कि सुबह करीब ८ः३० बजे पहले मंजिल पर बने स्टडी रुम में पढ़ने चला गया। दो घंटे बाद मां हिना उसके बुलाने पहुंची तब बेटे को फंदे से लटकता पाया। वहीं, छात्र के दोस्तों ने बताया कि दानियाल रात–रात भर एविएटर गेम खेलता था। जिसमें कई तरह के टास्क भी दिए जाते थे। उन टास्क का अ नलाइन भुगतान भी किया जाता है। प्रभारी निरीक्षक ने बताया कि प्रथम दृष्टया यह बात सामने आ रही है कि एविएटर गेम के चलते छात्र ने आत्महत्या कर ली। आत्मघाती कदम उठाने से पूर्व छात्र ने दोस्तों के मोबाइल पर मैसेज भी किया था। बीते २५ जनवरी को भी बंथरा थानाक्षेत्र अन्तर्गत हाईस्कूल छात्र शिव कश्यप ने अ नलाइन गेम में दस हजार रुपये गंवा दिए थे। इसके बाद उसने खुद पर पेट्रोल छिड़क कर आग लगाकर सुसाइड कर लिया था। आशंका जताई जा रही है कि दानियाल ने भी गेम में रुपये गवाने के बाद खुदकुशी की रही है। फिलहाल, पुलिस ने छात्र का मोबाइल जब्त कर लिया है। जिसे बारीकी से खंगाला जा रहा है।

जीबीसी की कार्य योजना तैयार, प्रदर्शनी के साथ होंगे सेक्टोरल सेशंस

लखनऊ। प्रदेश सरकार ग्राउंड ब्रेकिंग सेरेमनी (जीबीसी) के जरिए नया इतिहास रचने जा रही है। लखनऊ स्थित इंदिरा गांधी प्रतिष्ठान में आयोजित होने वाली सेरेमनी को लेकर विस्तृत कार्ययोजना की रूपरेखा तय कर ली गई है। १६ फरवरी को पीएम नरेंद्र मोदी जीबीसी का उद्घाटन करेंगे, जबकि २१ फरवरी तक भव्य प्रदर्शनी का आयोजन किया जाएगा। जिसमें ६ से ज्यादा विशेष सेक्टर्स को फोकस किया जाएगा। उल्लेखनीय है कि वर्ष २०२३ में १० से १२ फरवरी के बीच आयोजित हुए उत्तर प्रदेश ग्लोबल इन्वेस्टर्स समिट के जरिए जो ४० लाख करोड़ रुपये के निवेश प्रस्ताव प्राप्त हुए थे, उनमें से १० लाख करोड़ रुपये की १४ हजार से अधिक परियोजनाओं को लागू किया जाएगा। इससे ३३.५० लाख नौकरियों से रोजगार सृजन होगा। सरकार ने जीबीसी के विधिवत आयोजन की विस्तृत कार्ययोजना की रूपरेखा तय कर ली है। सेक्टोरल सेशंस का भी आयोजन किया जाएगा। जिसमें

आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई), फॉरेन डायरेक्ट इन्वेस्टमेंट (एफडीआई) व कॉर्पोरेट सोशल रिस्पन्सिबिलिटी के क्षेत्र में प्रदेश की वर्तमान स्थिति और भविष्य की रूपरेखा को दर्शाया जाएगा कार्यक्रम में सेक्टोरल सेशंस के दूसरे सेशन में 'एफडीआई एण्ड आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई)–अनलॉकिंग अप रचुनीटीज इन उत्तर प्रदेश' संगोष्ठी का आयोजन किया जाएगा, जिसकी अध्यक्षता खुद मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ करेंगे। इसका उद्देश्य राज्य में प्रत्यक्ष विदेशी निवेश एवं आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस को बढ़ावा देने के अवसरों पर विचार–विमर्श करने के लिए उद्योगपतियों, नीति निर्माताओं एवं संभावित निवेशकों को एक मंच उपलब्ध कराना है। संगोष्ठी के माध्यम से सरकार विदेशी निवेश को प्रोत्साहित करने तथा आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस जैसे उदीयमान क्षेत्रों की संभावनाओं को का लाभ प्राप्त करने के लिए प्रदेश में उठाए गए विभिन्न कदमों के बारे में जागरूकता सृजित करने का प्रयास करेगी। यह नेटवर्किंग, ज्ञान साझा करने तथा सहयोग हेतु एक उत्कृष्ट मंच होगा, जो आर्थिक प्रगति व क्षेत्र के विकास में योगदान देगा

जल्द ही पर्यटकों को पांच सौ रुपये में कराएगी काशी दर्शन

वाराणसी। काशी की नई तस्वीर दुनिया के पर्यटन के मानचित्र पर आने के बाद पर्यटकों की संख्या लगातार बढ़ती जा रही है। ऐसे में योगी सरकार पर्यटकों की बढ़ती संख्या और उनकी सहूलियत के

लिए काशी दर्शन सेवा शुरू करने जा रही है। इसके लिए योगी सरकार इलेक्ट्रिक एसी बस का संचालन करेगी, जो महज पांच सौ रुपये में पांच महत्वपूर्ण स्थानों के दर्शन कराएगी। वाराणसी सिटी ट्रांसपोर्ट सर्विसेज लिमिटेड की ओर से शुरू होने वाली इस योजना को काशी पास से भी जोड़ा जायेगा, जिससे यात्रियों को टिकट बुक कराने में कोई समस्या न हो। मालूम हो कि काशी पास का उद्घाटन प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने वाराणसी के अपने पिछले दौरे में किया था। योगी सरकार मूलभूत सुविधाओं को विकसित करते हुए काशी का कायाकल्प कर रही है। धार्मिक स्थलों और घाटों का पुनरुद्धार किया जा रहा है। इसी के तहत मंडलायुक्त की अध्यक्षता में वाराणसी सिटी ट्रांसपोर्ट सर्विसेज लिमिटेड की २८वीं बैठक में काशी दर्शन बस सेवा शुरू करने की योजना पर सहमति बनी है, जिसका लोकार्पण जल्दी ही किया जाएगा। इसके अलावा ऐसी बसों से सफर में सहूलियत के लिए कस्टमर केयर नंबर जारी करने पर भी सहमति दी गयी।काशी दर्शन के लिए कैंट रेलवे स्टेशन से बस सेवा शुरू होगी, जो काशी विश्वनाथ मंदिर, काल भैरव, नमो घाट, दुर्गा मंदिर, संकट मोचन आदि पांच स्थानों के दर्शन कराएगी। बताया जा रहा है आगे चलकर और स्थानों को जोड़ा जा सकता है।

भोजपुरी फिल्म 'आंखें' चार भाषाओं में होगी रिलीज, प्रेम कहानी पर आधारित है।

मुंबई। संकट मोचन फिल्म्स इंटरनेशनल के बैनर तले बनीं प्रदीप पांडेय चिंटू और यामिनी सिंह की भोजपुरी फिल्म आंखें चार भाषाओं में रिलीज की जायेगी। फिल्म के निर्माता प्रह्लाद दास गुप्ता और संजय गुप्ता ने बताया कि वे फिल्म आंखे को पैन इंडिया रिलीज करने की योजना बना रहे हैं, जिसके तहत वे फिल्म को चार भाषाओं में रिलीज करेंगे। उन्होंने कहा कि अब वक्त आ गया है कि भोजपुरी की फिल्में भी अलग–अलग भाषाओं में रिलीज की जाए, इससे भोजपुरी की ख्याति और बड़ी होगी। फिल्म आंखे भोजपुरी के साथ बंगाली, उड़िया

और छत्तीसगढ़ी में भी होगी। गौरतलब है कि संकट मोचन फिल्म इंटरनेशनल के बैनर तले बनी भोजपुरी फिल्म आंखें पारिवारिक प्रेम कहानी पर आधारित फिल्म है, जिसमें प्रदीप पांडेय चिंटू, यामिनी सिंह और आस्था सिंह, आशीष सिंह बंटी, रचना यादव, सुशील सिंह, संजय पांडे, श्रद्धा नवल, लोटा तिवारी, बबलू खान, अंशु तिवारी, मिथिलेश, किशोर गुप्ता और अंकुश कहार भी नजर आएंगे। इस फिल्म के निर्देशक सुजीत कुमार सिंह हैं। फिल्म की कहानी वीरू ठाकुर की लिखी हुई है। इसका संगीत मधुकर आनंद ने दिया है। फिल्म में एक्शन मल्लेश का देखने को मिलेगा।

फिल्म 'तेरी बातों में ऐसा उलझा जिया' ने पहले सप्ताहांत में कमाए ५५.१० करोड़ रुपये

नई दिल्ली। शाहिद कपूर और कृति सेनन अभिनीत फिल्म 'तेरी बातों में ऐसा उलझा जिया' ने अपने शुरुआती सप्ताह में वैश्विक बॉक्स ऑफिस पर ५५.१० करोड़

रुपये की कमाई की है। निर्माताओं, ने सोमवार को यह जानकारी दी। यह फिल्म अमित जोशी तथा आराधना शाह द्वारा लिखित और निर्देशित है। यह दोनों की पहली फिल्म है। फिल्म में अभिनेता धर्मेंद्र और डिंपल कपाड़िया ने भी अभिनय किया है। निर्माण कंपनी मैडॉक फिल्म्स ने सोशल मीडिया मंच 'एक्स' पर फिल्म की तीन दिन की कमाई का आंकड़ा साझा किया और लिखा,....फिल्म ने रिलीज के बाद से दुनिया भर में ५५.१० करोड़ रुपये की कमाई की है।

'भूल–भुलैया ३' में हुई विद्या बालन की एंट्री

मुंबई। बॉलीवुड अभिनेत्री विद्या बालन फिल्म 'भूल–भुलैया ३' में काम करती नजर आयेंगी। फिल्म भूल भुलैया में विद्या बालन ने अहम भूमिका निभायी थी। भूल भुलैया २ में विद्या बालन ने काम नही किया। 'भूल–भुलैया ३' में विद्या बालन की एंट्री हो गयी है। कार्तिक आर्यन ने सोशल मीडिया पर बताया कि भूल भुलैया ३ में विद्या बालन की एंट्री हो गई है। कार्तिक

आर्यन ने कैप्शन में लिखा, 'और ये हो रहा है... ऑरिजनल मंजूलिका की दोबारा भूल भुलैया की दुनिया में एंट्री हो चुकी है। विद्या बालन का स्वागत करते हुए सुपर थ्रिल महसूस कर रहा हूं।' कार्तिक आर्यन के इस पोस्ट के बाद विद्या बालन ने सोशल मीडिया पर लिखा, मेरे ढोलना. .. आ रही है वापस, आपकी मंजुलिका, इस बार रूह बाबा कार्तिक आर्यन के साथ।

'सिंघम अगेन' में एसीपी सत्या की भूमिका में नजर आएंगे टाइगर श्रॉफ

मुंबई। बॉलीवुड अभिनेता टाइगर श्रॉफ ने अपनी आने वाली फिल्म 'सिंघम अगेन' की शूटिंग शुरू कर दी है। बॉलीवुड फिल्मकार रोहित शेट्टी इन दिनों फिल्म 'सिंघम अगेन' बना रहे हैं। यह फिल्म सिंघम फ्रेंचाइजी की तीसरी फिल्म है। फिल्म सिंघम अगेन में अजय देवगन, करीना कपूर, दीपिका पादुकोण की मुख्य भूमिका है। टाइगर श्रॉफ इस फिल्म में कैमियो कर रहे हैं। 'सिंघम अगेन' में टाइगर श्रॉफ एसीपी सत्या की भूमिका में नजर आएंगे। हाल ही में टाइगर ने फिल्म में अपनी भूमिका का पोस्टर अपने इंस्टाग्राम पर शेयर किया। इसके कैप्शन में टाइगर ने लिखा, 'एसीपी सत्या रिपोर्टिंग सर'। मेकर्स को उम्मीद है कि फरवरी के अंत तक टाइगर अपने अधिकांश सीन की शूटिंग पूरी कर लेगें। सिंघम अगेन इस वर्ष रिलीज होगी।

हमारे अन्य प्रतिनिधि

lat; cktibl

lhrkiqj

ek-9935160370

प्रियंका त्रिपाठी

नई दिल्ली

विधिक सलाहकार

lqjs'k ukjk;.k feJ

क्षेत्रीय सम्पादक

lkjHk dqekj] fcgkj

ek-09386075289

मो० अरशद

C;jk phQ

eऊ

स्वात्वाधिकारी, प्रकाशक, मुद्रक व सम्पादक आरती पाण्डेय द्वारा सांई आफसेट प्रिन्टर्स, 40 वासुदेव भवन भातखण्डे संगीत महाविद्यालय के पीछे, कैसरबाग लखनऊ से छपवाकर एमआईजी 2/379 रश्मिखंड शारदानगर आशियाना लखनऊ उ0प्र0 से प्रकाशित।

आर.एन.आई UPHIN/2010/32566

सम्पादक

आरती पाण्डेय

मो.9415087228

9889745884. 9807059191. 9026560178

Email- adbhutsamachar@yahoo.in adbhut_samachar@rediffmail.com

सभी विवादों का न्यायक्षेत्र लखनऊ होगा।

समाचार पत्र में छपी समस्त प्रकार की खबरों एवं लेखों का स्वात्वाधिकारी, प्रकाशक, मुद्रक व सम्पादक आरती पाण्डेय से किसी भी प्रकार का कोई लेना देना नहीं है। समाचार पत्र में छपी खबर एवं लेख पत्रकारों के अपने निजी विचार हैं। समाचार पत्र से जुड़े समस्त पत्रकारों के पद अवैतनिक हैं। और वह सब स्वतंत्र पत्रकार हैं। प्रकाशक/सम्पादक